वर्ष-11 अंक-35 पृष्ठ-8 मूल्यः 3 रुपये

प्रयागराज, गुरुवार 10 अप्रैल 2025

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

आधुनिक समाचार नेटवर्क

11 YEARS ANNIVERSARY

संक्षिप्त समाचार

कनाडा के चुनावी मैदान में पहली बार उतरे गुजराती, पहले राजनीति में पंजाबियों का था बोलबाला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कनाडा में इस महीने होने वाले 45वें संघीय चुनाव में भारतीय मूल के चार गुजराती उम्मीदवार पहली बार चुनावी मैदान में हैं। इससे पहले तक

कनाडाई राजनीति में पंजाबी समुदाय का ही बोलबाला था, लेकिन अब गुजराती भी राजनीति में अपनी पहचान बना रहे हैं। गुजराती समुदाय से जयेश ब्रह्मभट्ट, सुंजीव रावल, अशोक पटेल और मिनेश पटेल इस बार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें से दो उम्मीदवार पार्टी टिकट पर और दो निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर मैदान में उतरे हैं।कनाडा में भारतीय समुदाय के लोग बड़ी संख्या में है, जिसमें पंजाबी और गुजराती सबसे ज्यादा हैं। जहां पंजाबी समुदाय लंबे समय से राजनीति में सक्रिय है, वहीं गुजराती अब अपने सामाजिक योगदान और व्यापारिक समाज के दम पर राजनीतिक पारी की शुरुआत कर रहे हैं। गुजराती आमतौर पर व्यापार से जुड़े होते हैं और कनाडा में अच्छी आर्थिक स्थिति बनाने के बाद अब समाजसेवा और राजनीति में उतर रहे हैं। वहीं पंजाबी समुदाय की बात करें तो वे पहले से ही संसद, मंत्री पद और बड़े राजनीतिक पदों पर काबिज रहे हैं।कनाडा की कंजरवेटिव पार्टी ने एक और गुजराती उम्मीदवार डॉन पटेल को टिकट देने पर विचार किया था। डॉन पटेल मूल रूप से गुजरात के आणंद जिले से हैं और कनाडा में रियल एस्टेट में सफल कारोबारी हैं। लेकिन आखिर में उन्हें पार्टी का टिकट नहीं मिला। हेमंत शाह, जो 'ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ इंडिया कनाडा (ओएफआईसी) में इंटरनेशनल ट्रेड डायरेक्टर हैं, उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं है।

पीएम मोदी ने किया नवकार महामंत्र का जाप; बोले- भारत ऊंचाई छुएगा, पर अपनी जड़ों से नहीं कटेगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने अन्य लोगों के साथ 'नवकार महामंत्र दिवस' कार्यक्रम में 'नवकार

महामंत्र' का जाप किया। इसके बाद उन्होंने लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र का ये दर्शन विकसित भारत के विजन से जुड़ता है। मैंने लालकिले से कहा है- विकसित भारत यानी विकास भी, विरासत भी। एक ऐसा भारत जो रुकेगा नहीं, ऐसा भारत जो थमेगा नहीं। जो ऊंचाई छुएगा, लेकिन अपनी जड़ों से नहीं कटेगा।इससे पहले पीएम मोदी ने कहा, 'मैं नवकार महामंत्र की इस आध्यात्मिक शक्ति को अब भी अपने भीतर अनुभव कर रहा हूं। कुछ वर्ष पूर्व मैं बंगलूरू में ऐसे ही एक सामुहिक मंत्रोच्चार का साक्षी बना था, आज वही अनुभूति हुई और उतनी ही गहराई में हुई।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, '...नवकार महामंत्र सिर्फ मंत्र नहीं है। ये हमारी आस्था का केंद्र है। हमारे जीवन का मूल स्वर... और इसका महत्व सिर्फ आध्यात्मिक नहीं है। ये स्वयं से लेकर समाज तक सबको राह दिखाता है, जन से जग तक की यात्रा है। इस मंत्र का प्रत्येक पद ही नहीं, बल्कि प्रत्येक अक्षर अपने आप में मंत्र है।'उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र एक मार्ग है। ऐसा मार्ग जो इंसान को भीतर से शुद्ध करता है, जो इंसान को सौहार्द की राह दिखाता है। नवकार महामंत्र सही मायने में मानव, ध्यान, साधना और आत्मशुद्धि का मंत्र है। हम जानते हैं कि जीवन के 9 तत्व हैं। ये 9 तत्व जीवन को पूर्णता की ओर ले जाते हैं। इसलिए हमारी संस्कृति में नव का विशेष महत्व हैउन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र कहता है कि स्वयं पर विश्वास करो, स्वयं की यात्रा शुरू करो, दुश्मन बाहर नहीं है, दुश्मन भीतर है। नकारात्मक सोच, अविश्वास, वैमनस्य, स्वार्थ ही वो शत्रु हैं, जिन्हें जीतना ही असली विजय है। यही कारण है कि जैन धर्म हमें बाहरी दुनिया नहीं, बल्कि खुद को जीतने की प्रेरणा देता है पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत अपनी संस्कृति पर करेगा।

चिदंबरम की तबीयत पूर्व मंत्री ने खुद बताया सीडब्लूसी के दौरान बिगड़ी थी सेहत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम की बुधवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। अहमदाबाद स्थित साबरमती आश्रम में गर्मी के

कारण वे बेहोश हो गए थे। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम की मंगलवार को अहमदाबाद के साबरमती आश्रम में अचानक तबीयत बिगड़ गई थी। ज्यादा गर्मी की वजह से पूर्व वित्त मंत्री बेहोश हो गए थे। अब उन्होंने खुद अपनी सेहत की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि उनके सभी परीक्षण सामान्य हैं। अब वे पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अत्यधिक गर्मी की वचह से उन्हें पानी की कमी की समस्या का सामना करना पड़ा था। कारण उन्हें निर्जलीकरण का सामना करना पड़ा था।उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' की पोस्ट में अपने तबीयत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'अत्यधिक गर्मी के कारण मुझे निर्जलीकरण का सामना करना पड़ा। सभी परीक्षण सामान्य हैं। अब मैं पूरी तरह से स्वस्थ हूं। आप सभी का धन्यवाद।'इससे पहले कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने बताया था कि उनके पिता पी. चिदंबरम अहमदाबाद में भीषण गर्मी और पानी की कमी के कारण बेहोश हो गए थे। उन्हें जाइडस अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की टीम उन पर गहन निगरानी कर रही हैं। उन्होंने बताया था कि डॉक्टर उनके टेस्ट की रिपोर्ट की समीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, सभी जांचें सामान्य ही हैं।कार्ति चिदंबरम ने 'एक्स' पर एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'मेरे पिता की चिकित्सकों, हृदय रोग विशेषज्ञों और न्यूरोलॉजिस्ट की एक टीम की ओर से जांच की गई है।

भारत के हितों को सर्वोपरि रख रही सरकार', पीयूष गोयल ने अमेरिकी टैरिफ पर कारोबारियों को दिया भरोसा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी टैरिफ के प्रभावों पर बात की। इस दौरान उन्होंने भारतीय कारोबारियों को विश्वास दिलाया कि सरकार द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत के हितों को सर्वोपरि रखा जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि द्विपक्षीय व्यापार समझौता अर्थव्यवस्था को विकसित भारत 2047 की ओर ले जाएगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी टैरिफ पर कारोबारियों को भरोसा दिलाया कि सरकार द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम कर रही है, जैसा कि फरवरी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तय हुआ था। उन्होंने कहा कि भारत के हितों को सर्वोपरि रखा जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि द्विपक्षीय व्यापार समझौता अर्थव्यवस्था को विकसित भारत 2047 की ओर ले जाएगा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी टैरिफ के प्रभावों पर बात की। उन्होंने कहा कि वे प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फरवरी में तय किए गए द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर काम कर रहे हैं। कई बैठकें हो चुकी हैं। सभी बैठकें सही दिशा में जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हम विषयों और उत्पादों के एक विस्तृत क्षेत्र को कवर कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं देशभर के व्यापारियों को आश्वस्त कर सकता हूं कि हम भारत के सर्वोत्तम हितों को आगे रख रहे हैं। हमारा द्विपक्षीय व्यापार समझौता अर्थव्यवस्था को विकसित भारत 2047 की ओर ले जाएगा।'इस बीच, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने मंगलवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि दोनों साझेदार देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के बाद भारत अमेरिकी प्रशासन के टैरिफ के नतीजों से मजबूत होकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी के सक्षम नेतृत्व के साथ अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, 'हम इससे पहले की तुलना में अधिक मजबूत होकर बाहर निकलेंगे। हर चुनौती एक अवसर प्रस्तुत करती है, और भारत इसका लाभ उठाएगा इससे पहले, सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टैरिफ पर चर्चा की। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि चर्चा का उद्देश्य निष्पक्ष और संतुलित व्यापार संबंध की दिशा में आगे बढ़ना था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सभी आयातों पर 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। उन्होंने भारतीय आयातों पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी में अमेरिका की यात्रा की थी। इस दौरान पीएम मोदी और ट्रंप ने अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों को मजबूत करने का संकल्प लिया और 'मिशन 500' नामक नया लक्ष्य तय किया, जिसका उद्देश्य 2030 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक करके 500 बिलियन अमेरिकी डॉलर करना है। इसके तुरंत बाद मार्च में, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका की यात्रा की।

किसी का गला रेता, कहीं छाती काटी, कोई गोलियों से भूना गया; आधी रात को ऐसे चला था खूनी खेल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। बिहार के बतन बीघा में 1 दिसंबर 1997 की रात दहशत की रात साबित हुई। वजह थी मगध प्रमंडल के जिले जहानाबाद में दो गांवों- लक्ष्मणपुर-बाथे में हुआ नरसंहार, जिसमें 58 लोगों की जान चली गई थी। यह घटना कितनी निर्ममता से अंजाम दी गई थी, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हत्यारों ने आधी रात को गहरी नींद में सोए लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इस घटना में कातिलों ने महिलाओं और बच्चों तक को नहीं छोड़ा था। इसे बिहार के सबसे बड़े नरसंहारों में माना जाता है। हालांकि, 2013 में जब पटना हाईकोर्ट ने इस मामले में फैसला दिया तो इस पूरे मामले में कोई दोषी ही नहीं मिला। यानी यह पूरा केस ऐसा था, जैसे नरसंहार तो हुआ, पर किसी भी पकड़े गए आरोपी ने उसे अंजाम

नहीं दिया। बिहार में 1970 के मध्य तक मजदूरों ने जमींदारों और जमीन पर कब्जा करने वालों के खिलाफ आवाज बुलंद करनी शुरू कर दी। इसके चलते एक खूनी संघर्ष की शुरुआत हुई। इसी कड़ी में यह नरसंहार भी शामिल था। अरविंद सिन्हा और इंदु सिन्हा के इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली में दिए गए एक लेख के मुताबिक, माओवादी कम्युनिस्ट सेंटर (एमसीसी) का सिर्फ एक ही एजेंडा था। उच्च जातियों के संगठनों की तरफ से की जा रही हिंसा का बदला लेना। एमसीसी ने कई मौकों पर अपना आतंक दिखाया भी और 1987 में पहले औरंगाबाद के डालेचक-बघौरा गांव में 54 राजपूतों के हत्याकांड को अंजाम दिया। वहीं, इसके बाद 1992 में गया के बाड़ा गांव में 42 भूमिहारों का नरसंहार कर दिया।

टैरिफ ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया शशि थरूर ने अमेरिकी आयात शुल्क पर जताई चिंता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका द्वारा लगाए गए आयात शुल्क पर चिंता चताई है। उन्होंने कहा कि इसने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इससे कई देशों पर मंदी का असर पड़ सकता है। थरूर ने कहा कि भारत की मुख्य उम्मीद अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रभावी बातचीत करने में है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए टैरिफ ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की मुख्य उम्मीद अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रभावी बातचीत करने में है। उन्होंने कुछ देशों पर अमेरिकी आयात शुल्क के असर पर चिंता जताई। शशि थरूर ने कहा कि यह सिर्फ हमारे शेयर

बाजार की बात नहीं है। हमारे शेयर बाजार में कई अन्य शेयर बाजारों की तुलना में कम गिरावट आई है, जबकि अमेरिकी शेयर बाजार में बड़ी गिरावट आई है। हमारा बाजार 3ज्ञ, जबकि उनका बाजार 9ज्ञ नीचे चला गया है। यह स्थिति बहुत निराशाजनक है।शशि थरूर ने आगे कहा कि अमेरिकी टैरिफ ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिलाकर रख दिया है। इससे कई देशों को मंदी का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि भारत के दृष्टिकोण से मुख्य उम्मीद अमेरिकियों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते के लिए प्रभावी बातचीत करने में है। कुछ लोग उम्मीद कर रहे थे कि जो हमारे प्रतिस्पर्धी देश हैं, उन पर हमसे कहीं अधिक टैरिफ लगाया गया है, लेकिन वे भी अब बातचीत कर रहे हैं। इस बीच, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने विश्वास जताया कि भारत अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव से मजबूत होकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता के कारण भारत अच्छा प्रदर्शन करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पदभार ग्रहण करने के बाद से पारस्परिक टैरिफ पर अपना रुख दोहराया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निष्पक्ष व्यापार सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका भारत सहित अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ से मेल खाएगा।

वक्फ कानून के लाभ गिना, संघ दूर करेगा भ्रांतियां; देश में सेमिनारों का आयोजन करेगा राष्ट्रीय मुस्लिम मंच

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। संघ और सरकार की पहली कोशिश चुंनिदा अहम मुस्लिम संगठनों और विपक्ष की बनाई गई धारणा को तोड़ने की है। इनका कहना है कि इस कानून के जरिए सरकार मुसलमानों की संपत्ति और धार्मिक स्थलों पर कब्जा करना

चाहती है। वक्फ विधेयक को कानूनी जामा पहनाने के बाद संघ और सरकार ने इस मामले में विपक्ष से दो-दो हाथ करने की तैयारी शुरू कर दी है। इस क्रम में राष्ट्रीय मुस्लिम मंच जहां देशभर में प्रेस कॉन्फ्रेंस और सेमिनारों के जरिए कानून के संबंध में फैलाई जा रही भ्रांतियां दूर करेगा, वहीं इसके लाभ भी गिनाएगा। वहीं सरकार की रणनीति वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग और इसमें सिर्फ अशराफ (ऊंची जातियों) की नुमाइंदगी मामले में विपक्ष को घेरने की है।संघ और सरकार की पहली कोशिश चुंनिदा अहम मुस्लिम संगठनों और विपक्ष की बनाई गई धारणा को तोड़ने की है। इनका कहना है कि इस कानून के जरिए सरकार मुसलमानों की संपत्ति और धार्मिक स्थलों पर कब्जा करना चाहती है। मुस्लिम मंच देशभर में 100 प्रेस कॉन्फ्रेंस और 500 सेमिनारों का आयोजन कर बताएगा कि यह कानून दरअसल गरीब और पिछड़े मुसलमानों को उनका हक दिलाने की है, जिसे आज तक इससे दूर रखा गया। सेमिनारों में पसमांदा समाज के मुखर वक्ताओं को बुलाया जाएगा। वे बताएंगे कि इस कानून का मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करने का कोई प्रावधान ही नहीं है।राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार ने कहा है कि कानून के संबंध में स्वार्थवश गलत धारणा बनाने की कोशिश की जा रही है। यह मुस्लिम समुदाय के आत्मसम्मान, न्याय और समानता के अधिकार को और मजबूत करेगा। कानून भारतीय समाज में आपसी विश्वास और सहयोग को बढ़ाने वाला है न कि किसी के खिलाफ।

चीन से मुकाबले के लिए बौद्ध मठों में पढ़ाया जाएगा देशभक्ति का पाठ नया पाठ्यक्रम जल्द

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। अरुणाचल, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत उत्तरी राज्यों में फैले

लगभग 600 मठ चार प्रकार की तिब्बती और भारतीय बौद्ध परंपराओं में प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। ये बौद्ध मठ आधुनिक विषय और अंग्रेजी भी पढ़ाते हैं, लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा प्रयास के बाहर इन पाठ्यक्रमों में एकरूपता का अभाव है, जिसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं और धर्मों के मिश्रण से एक व्यापक पहचान बनाना है। हिमालयी मठों को चीन के प्रभाव से बचाने के लिए भारत ने रणनीति के तहत शिक्षा को अपना हथियार बनाया है। भारत पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश से लेकर लद्दाख तक के बौद्ध मठों में शिक्षा में अहम बदलाव करने जा रहा है। शिक्षा को सुव्यवस्थित करने और देशभक्ति को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। शिक्षा में सुधार भारत सरकार की रणनीतिक योजना का हिस्सा है।अरुणाचल, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत उत्तरी राज्यों में फैले लगभग 600 मठ चार प्रकार की तिब्बती और भारतीय बौद्ध परंपराओं में प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। ये बौद्ध मठ आधुनिक विषय और अंग्रेजी भी पढ़ाते हैं, लेकिन राष्ट्रीय शिक्षा प्रयास के बाहर इन पाठ्यक्रमों में एकरूपता का अभाव है, जिसका उद्देश्य भारतीय भाषाओं और धर्मों के मिश्रण से एक व्यापक पहचान बनाना है।अरुणाचल में सत्तारूढ़ भाजपा के बौद्ध कार्यकर्ता मालिंग गोम्बू ने कहा, हम बौद्ध धर्म के साथ शिक्षा के माध्यम से भारतीय पहचान को विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि चीन कभी भी हिमालय में हमारे मठों पर नियंत्रण न कर सके। मठों में रहने वाले हजारों बच्चे भारतीय शिक्षा के हकदार हैं।

गवर्नर अब नहीं रह गए सरकारी विवि के कुलाधिपति' डीएमके कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़े, बांटी मिठाइयां

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने लंबित विधेयकों को अधिनियम घोषित करने के सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत किया है। इस मौके पर पार्टी के कार्यकर्ताओं और सहयोगियों ने जमकर खुशियां मना लंबित विधेयकों को अधिनियम घोषित करने के सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करते हुए सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाईं। पार्टी के वरिष्ठ नेता आरएस भारती ने मीडिया से कहा कि शीर्ष अदालत के फैसले के अनुसार राज्यपाल आरएन रवि अब सरकारी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति नहीं रह गए हैं। भारती ने राज्यपाल पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वह राज भवन से चले जाते हैं, तो माना जा सकता है कि वह स्वाभिमानी व्यक्ति हैं, क्योंकि आजादी के बाद से अदालत ने किसी भी राज्यपाल के खिलाफ ऐसा फैसला नहीं सुनाया है। द्रमुक नेता ने आरोप लगाया कि रवि ने विधेयकों को मंजूरी न देकर विपक्षी दल से भी ज्यादा विरोधी भूमिका निभाई और दुश्मन की तरह व्यवहार किया।यह पूछे जाने पर कि क्या कि राज्यपाल ने सजा माफी और लोक सेवा आयोग में नियुक्तियों से जुड़े मामलों को लटकाए रखा था,

फैसले के मद्देनजर मुख्यमंत्री राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होंगे या सरकार कुलपतियों की नियुक्ति करेगी, द्रमुक के राज्यसभा सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता पी विल्सन ने कहा कि ये 10 विधेयक राज्यपाल को उन विश्वविद्यालयों से हटाने के लिए थे, जहां के वे कुलाधिपति थे। ये विधेयक इसलिए आवश्यक हो गए थे, क्योंकि राज्यपाल कुलपतियों की नियुक्ति सहित अन्य कार्यों में अड़चन डाल रहे थे। उन्होंने कहा जिसके चलते शीर्ष अदालत में मामला दायर करना पड़ा।द्रमुक सांसद विल्सन ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार इन विधेयकों को राज्यपाल की ओर से स्वीकृत माना जाएगा और इसलिए राज्यपाल आज से उस (कुलाधिपति) पद से मुक्त हो गए हैं। विधेयकों के प्रावधानों के अनुसार तमिलनाडु सरकार की ओर से नामित व्यक्ति कुलाधिपति होगा। वहीं, पार्टी सूत्रों ने संकेत दिए कि मुख्यमंत्री राज्य संचालित विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के बाद पश्चिम बंगाल सरकार को उम्मीद है कि राज्यपाल सीवी आनंद बोस के पास अटके 23 विधेयकों को जल्द अनुमति मिलेगी। प. बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष बिमान बनर्जी ने कहा कि फैसला राज्यपाल को सांविधानिक तरीके से समय सीमा के भीतर विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए बाध्य करेगा। उन्हें उम्मीद है कि अब राज्यपाल इन विधेयकों पर जल्द ही कोई फैसला लेंगे और राज्य के विकास कार्यों में कोई और रुकावट नहीं आएगी। होंगे।केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि यह लोकतंत्र की जीत है। शीर्ष अदालत का फैसला संघीय व्यवस्था और विधायिका के अधिकारों को कायम रखे है। हम ऐसी स्थिति में हैं, जहां विधायिका की ओर से पारित विधेयक 23 महीने तक अटके हुए हैं और अनिश्चित हैं। केरल इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। शीर्ष अदालत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि राज्यपालों को कैबिनेट की सलाह के अनुसार काम करना चाहिए तमिलनाडु मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले

ट्रक से कुचलकर परिवार के तीन बच्चों समेत चार की मौत, बैक करते समय हुआ एक्सीडेंट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज में दर्दनाक हादसा हुआ है। हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, इनमें तीन बच्चे शामिल हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस जांच में जुटी है।जानकारी के अनुसार, प्रयागराज के नैनी थाना इलाके में नए यमुना पुल के पास निर्माणाधीन रेलवे पावर हाउस के पास बुधवार तड़के 3:00 के पास के यहां पर गिट्टी लादकर चालक ट्रक लेकर पहुंचा। इसके दौरान ट्रक बैक करते समय तीन बच्चों के साथ मजदूर छोटेलाल (45) पुत्र देवशरण चपेट में आ गए। हादसे में चारों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक शंकरगढ़ थाना इलाके के कपारी गांव का रहने वाला था। थाना प्रभारी नैनी वैभव सिंह ने बताया कि गाड़ी को थाने लाया गया है, मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। मृतक और उसका परिवार यहां पर बन रहे पावर हाउस में काम करता था। बच्चों का नाम अभी नहीं मिल पाया है, परिजनों को सूचना दी गई है। परिजनों के आने के बाद नाम स्पष्ट हो सकेगा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1000 ट्रायल कोर्ट के जजों के किए तबादले, अधिसूचना हुई जारा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़े स्तर पर कार्रवाई की है। करीब 1000 ट्रायल कोर्ट के जजों के तबादले हुए हैं। जिसको लेकर अधिसूचना भी जारी हो गई है। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर जजों का तबादला किया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने करीब 1000 ट्रायल कोर्ट के जजों के तबादले किए हैं। हाईकोर्ट की ओर से अधिसूचना भी जारी हो गई है। वहीं दूसरी तरफ इससे पहले बीती 30 मार्च 2025 को उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर जजों के ट्रांसफर किए गए थे। हाईकोर्ट ने 236 अपर जिला जज, 207 सिविल जज सीनियर डिवीजन व 139 सिविल जज जूनियर डिवीजन स्तर के न्यायिक अधिकारियों की वार्षिक तबादला सूची जारी की थी।हालांकि इन न्यायिक अधिकारियों को कब तक चार्ज छोड़ना है, इस संबंध में अधिसूचना जारी नहीं की गई है। कानपुर नगर में 11 नए अपर जिला जज, नौ सिविल जज सीनियर डिवीजन और तीन सिविल जज जूनियर डिवीजन के न्यायिक अधिकारी चार्ज मिला।जबकि यहां से 13 अपर जिला जज और सात सिविल जज सीनियर डिवीजन स्तर के न्यायिक अधिकारी स्थानांतरित किए गए। खास बात यह है कि पारिवारिक न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश सेवानिवृत्त हो गए और बाकी चारों न्यायाधीशों का स्थानांतरण हो जाने से पारिवारिक न्यायालय की सभी अदालतों में न्यायाधीश बदल गए।

आर्म्स सप्लायर गैंग का भंडाफोड़, 10 पिस्टल, चार तमंचा और आठ मैगजीन के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज पुलिस ने सोमवार को एक बड़े आर्म्स सप्लायर गैंग का भंडाफोड़ किया। इनके कब्जे से 10 पिस्टल, चार तमंचा और आठ मैगजीन बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों में नीरज मिश्रा, सुनील दुबे निवासी मेजा प्रयागराज और सत्य प्रकाश यादव निवासी मिर्जापुर को गिरफ्तार किया गया है। प्रयागराज पुलिस ने सोमवार को एक बड़े आर्म्स सप्लायर गैंग का भंडाफोड़ किया। इनके कब्जे से 10 पिस्टल, चार तमंचा और आठ मैगजीन बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपियों में नीरज मिश्रा, सुनील दुबे निवासी मेजा प्रयागराज और सत्य प्रकाश यादव निवासी मिर्जापुर को गिरफ्तार किया गया है। यह गैंग मध्य प्रदेश के खंडवा से अवैध पिस्टल, तमंचा लाकर प्रयागराज और आसपास के जिलों में सप्लाई करता था। डीसीपी यमुनानगर विवेक चंद्र यादव और एसीपी करछना वरुण कुमार के नेतृत्व में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की टीम ने प्रभारी नवीन सिंह और नैनी थाना प्रभारी निरीक्षक वैभव सिंह के नेतृत्व में इस गैंग का भंडाफोड़ किया। डीसीपी के मुताबिक यह एक अंतरराज्यीय गैंग है। इसके अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है।

अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में बम मिलने की सूचना पर हड़कंप, जंघई स्टेशन पर खंगाली गई पूरी रेल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से अयोध्या कैंट जाने वाली अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में मंगलवार को बम होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। ट्रेन को प्रयागराज के जंघई स्टेशन पर रोका गया। इसके बाद ट्रेन की जांच की गई। अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में बम मिलने की सूचना पर हड़कंप मच गया। ट्रेन को प्रयागराज के जंघई रेलवे स्टेशन पर रोका गया। जंघई जंक्शन पर ट्रेन को चेक किया गया। जंघई के रेलवे अधिकारियों ने प्रयागराज से बम निरोधक दस्ता टीम को बुलाया। दो घंटे से अधिक समय से ट्रेन स्टेशन पर खड़ी है। समाचार लिखे जाने तक ट्रेन रवाना नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, लोकमान्य तिलक टर्मिनस से अयोध्या कैंट जाने वाली अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में मंगलवार को बम होने की सूचना पर हड़कंप मच गया। लोकमान्य तिलक टर्मिनस से अयोध्या कैंट जाने वाली 22103 अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन जैसे ही प्रयागराज स्टेशन से आगे निकली किसी ने जीआरपी कंट्रोल रूम प्रयागराज को फोन पर सूचना दी की अयोध्या कैंट सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन में एक महिला बैग में बम लेकर यात्रा कर रही है। महिला इंजन की 10वीं बोगी में है। कंट्रोल रुम प्रयागराज ने यह सूचना लखनऊ कंट्रोल रूम को दी, जिसके बाद आरपीएफ और जीआरपी जंघई को सूचना भेजी गई। ट्रेन के जंघई पहुंचने से पहले जीआरपी प्रभारी प्रमोद कुमार यादव टीम के साथ सतर्क हो गए। ट्रेन 1.15 मिनट पर जैसे ही जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर पहुंची, आरपीएफ-जीआरपी की टीम ने ट्रेन में चेकिंग अभियान शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर मीरगंज एसओ रमेश कुमार और जंघई चौकी इंचार्ज निखिलेश तिवारी भी टीम के साथ पहुंचे। पूरी ट्रेन को खंगालना गया, इस दौरान यात्रियों में दहशत न फैले यात्रियों को सूचना नहीं दी गई। यात्रियों से सिर्फ इतना कहा गया कि कहीं किसी को कोई लावारिस बैग मिले सूचना दें, कोई बैग को छुए ना। हालांकि जांच में कुछ नहीं मिला।

पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा, माहौल शांतिपूर्ण रामनवमी के दिन हुई थी ये घटना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। सिकंदरा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर रविवार को भगवा झंडा लहराने से उपजे विवाद के बाद दरगाह की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। कस्बे में डेढ़ सेक्शन पीएसी के जवान और तीन थानों की पुलिस बल के साथ एसीपी फूलपुर पंकज लवानिया कैंप कर रहे हैं। सिकंदरा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर धार्मिक झंडा फहराने का मुख्य आरोपी मानेंद्र प्रताप सिंह को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। शांतिभंग में चालान करते हुए उसे 14 दिन के लिए जेल भेजा गया है। चौकी इंचार्ज की तहरीर पर चार नामजद समेत 24 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। मानेंद्र सिकंदरा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर रविवार को भगवा झंडा लहराने से उपजे विवाद के बाद दरगाह की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। कस्बे में डेढ़ सेक्शन पीएसी के जवान और तीन थानों की पुलिस बल के साथ एसीपी फूलपुर पंकज लवानिया कैंप कर रहे हैं। हालांकि, माहौल पूरी तरह से शांत पूर्ण है। मामले को लेकर किसी भी पक्ष से कोई तहरीर नहीं दी गई है।बहरिया के सिकंदरा कस्बा स्थित गाजी मियां की दरगाह पर प्रत्येक रविवार और बुधवार को रौजा मेला लगता है। इसमें हजारों की संख्या में हिंदू-मुस्लिम पहुंचते हैं। 23 मार्च से पुलिस-प्रशासन ने मेले पर रोक लगा रखी थी। इसके बावजूद ताला खुला होने पर कुछ स्थानीय लोग दरगाह पर आते रहे। रविवार को महाराजा सुहेलदेव सम्मान सुरक्षा मंच के कार्यकर्ता मानेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में भगवा झंडा लेकर दरगाह पर पहुंचे और नारेबाजी करने लगे।

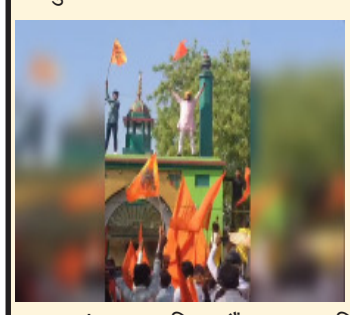

प्रयागराज जंक्शन पर ट्रेन मैनेजरों ने की टीटीई की पिटाई, आरपीएफ के सामने जड़े थप्पड़

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन पर ट्रेन मैनेजरों ने एक टीटीई की पिटाई कर दी। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रेलवे ने मामले में जांच बैठा दी है। जिस समय टीटीई को थप्पड़ मारे गए, उस वक्त आरपीएफ भी वहां मौजूद थी। प्रयागराज जंक्शन पर रविवार की दोपहर प्लेटफार्म नंबर दो पर ट्रेन मैनेजर एवं अन्य रेलकर्मियों ने एक टीटीई की पिटाई कर दी। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। सूत्रों के मुताबिक वीडियो रेलमंत्री तक भी भेजा गया।वीडियो में आरपीएफ कर्मियों की मौजूदगी में ही ट्रेन मैनेजर एक टीटीई को लगातार थप्पड़ मार रहे हैं। फिलहाल रेल मंत्रालय तक मामला पहुंच जाने के बाद उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल ने इस मामले में जांच बैठा दी है।बताया जा रहा है कि प्रयागराज आ रही मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में टीटीई एमके पोद्दार की ड्यूटी सतना से प्रयागराज के लिए लगी थी। आरोप है कि टीटीई ने प्रयागराज दुरंतो एक्सप्रेस में टिकट चेकिंग के दौरान गार्ड कोच में भी जांच की। इस दौरान ट्रेन मैनेजर जगदीश प्रसाद ने इसका विरोध किया। वहीं से उनका विवाद बढ़ गया। झगड़े के बाद ट्रेन मैनेजर ने फोन पर इसकी सूचना प्रयागराज जंक्शन पर अपने कुछ साथियों को दी। दोपहर 12.50 बजे के आसपास जैसे ही दुरंतो प्रयागराज जंक्शन पर पहुंची तो टीटीई को प्लेटफॉर्म पर उसके साथियों ने घेर लिया और थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए।खास बात यह रही जिस समय टीटीई की पिटाई हो रही थी, वहां मौके पर आरपीएफ भी मौजूद रही। कुछ ही देर में मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। हालांकि बाद में आरपीएफ ने किसी तरह टीटीई को बचाया और थाने ले जाकर मेडिकल जांच कराई। टीटीई की ओर से घटना की शिकायत दर्ज कराई गई है, लेकिन देर शाम तक किसी कर्मचारी पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस बारे में सीनियर डीसीएम हिमांशु शुक्ला का कहना है कि यह मामला गंभीर है। सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो की मदद से आरोपी कर्मचारियों की पहचान की जाएगी। डीओएम को जांच का निर्देश दिया गया है।

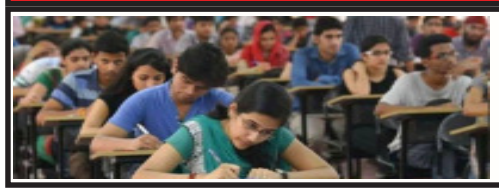

इजराइल, जर्मनी एवं जापान देश के लिए नर्सिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कुशल अभ्यर्थियों हेतु रोजगार के अवसर उपलब्ध, करें आवेदन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया है कि भारत सरकार एवं एन0एस0डी0सी0 के संयुक्त प्रयास से इजराइल, जर्मनी एवं जापान देश के लिए नर्सिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कुशल अभ्यर्थियों हेतु रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं जिसमें GDA/ ANM/GNM/B.Sced Nursing प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। इस हेतु अर्हता प्राप्त इच्छुक अभ्यर्थियों को सेवायोजन विभाग के एकीकृत पोर्टल ro®aarsangamed.uped.goved.in पर जॉबसीकर के रूप में जाकर इजराइल, जर्मनी एवं जापान हेतु पंजीकरण कराना है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 अप्रैल 2025 है। अन्य संबंधित सभी जानकारियों एवं नियम शर्तें उक्त पोर्टल पर उपलब्ध हैं।इस संबंध में जनपद के नर्सिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त कुशल अभ्यर्थियों के लिए रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। इस संबंध में अधिक जानकारी किसी भी कार्य दिवस में जनपद के जिला सेवायोजन कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराने में सहयोग करें प्रधानः बीएसए

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। अमावां ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय हरियावां में स्कूल चलो अभियान के तहत मंगलवार को रैली निकाली गई। रैली को हरी झंडी दिखाकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवेंद्र प्रताप सिंह ने रवाना किया। इसके साथ बच्चों को उन्होंने परीक्षाफल और पुस्तकें भी वितरित की। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का अधिक से अधिक से नामांकन कराने के उद्देश्य से हरी झंडी दिखाते हुए बीएसए ने अभिभावकों से कहा कि अधिक से अधिक संख्या में नामांकन कराया जाए। उन्होंने कहा कि जन-जन की सहभागिता से ही शिक्षा की अलख हमेशा जगी रहेगी। उन्होंने ग्राम प्रधान सहित सभी ग्रामवासियों से बच्चों का शत प्रतिशत नामांकन कराने की अपील की। उन्होंने माताओं से कहा कि आप लोग बच्चों पर अवश्य ध्यान दें। उन्हें नियमित रूप से विद्यालय में पढ़ने के लिए भेजें। अमावां बीईओ ऋचा सिंह ने कहा कि बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने में सबसे बड़ी भूमिका माताएं ही निभाती हैं। वे लोग विद्यालय में आकर अपने बच्चे की प्रगति जान सकती है। एमडीएम कैसा बन रहा है, इसको भी देख सकती है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक शशि प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि विद्यालय में आयोजित वार्षिकोत्सव एवं शारदा संगोष्ठी के दौरान अधिक नामांकन बढ़ाने पर चर्चा की गई। अभिभावकों से अधिक से अधिक नामांकन कराने की अपील की। शिक्षक नेता मुकेश द्विवेदी ने कहा कि प्राइवेट विद्यालय सिर्फ आपका शोषण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे लोग चार से पांच साल तक अपने विद्यालय चलाते हैं और फिर बाद में बंद हो जाते हैं। कार्यक्रम का संचालन नीरज रावत ने किया।इस मौके पर ग्राम प्रधान राजेंद्र यादव, एसएमसी अध्यक्ष रामकेश, शिक्षक अशोक प्रियदर्शी, सूर्य प्रकाश, बृज कुमारी, अब्दुल मन्नान, प्रतिभा सिंह, दीपेश वर्मा, अजय, जगदीश यादव, कमल अहिरवार, अमर सिंह, मुकेश यादव, शैलेश श्रीवास्तव, रामचन्द्र यादव, चन्द्रकांत त्रिपाठी, शारिक अनवर, अश्वनी कनौजिया, प्रज्ञा विश्वकर्मा, शिखा त्रिपाठी, शिव प्रसाद आदि लोग मौजूद रहे।

प्लेटफॉर्म वर्कर्स सामाजिक सुरक्षा लाभ के लिए ई-श्रम पोर्टल पर कराए रजिस्ट्रेशन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। सहायक श्रमायुक्त आर0एल0 स्वर्णकार ने बताया है कि अर्थव्यवस्था में प्लेटफार्म वर्कर्स जैसे जोमैटो, स्विग्गी, ओला, ऊबर, रैपिडो, मीशो इत्यादि ऑनलाइन / ऐप के माध्यमो से कार्य करने वाले श्रमिक, की महत्वपूर्ण भूमिका और सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुँच से जुड़ी चुनौतियो को देखते हुये, भारत सरकार द्वारा केन्द्रीय बजट 2025-26 में प्लेटफार्म वर्कर्स को आच्छादित करने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के विस्तार की घोषणा की गयी है। प्लेटफार्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा लाभों तक सुगम पहुँच बनाने हेतु उनका रजिस्ट्रेशन करने के लिए भारत सरकार द्वारा विकसित ई-श्रम पोर्टल पर, ईर्ड्रेस् ेदेर्वे-ुग्रे दह ीर्प्स् का पृथक से लिंक दिया गया है। ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किसी जन-सुविधा केन्द्र के माध्यम से या स्वंय भी किया जा सकता है। ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन पूर्णतः निःशुल्क है। ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाने हेतु आवश्यक अभिलेख निम्नवत है :- 1- श्रमिक का आधार कार्ड नम्बर, 2-श्रमिक का पैन कार्ड नम्बर, 3- आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नम्बर (यदि श्रमिक का मोबाइल नम्बर आधार कार्ड से लिंक नही है तो श्रमिक जन-सुविधा केन्द्र पर बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण द्वारा भी अपना रजिस्ट्रेशन ई-श्रम पोर्टल पर करवाया जा सकता है)। ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवाने हेतु अर्हता निम्नवत हैः- 1- श्रमिक की आयु 16 वर्ष से 59 वर्ष के मध्य होनी चाहिये, 2-श्रमिक, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (इंइध्) का सदस्य नही होना चाहिए, 3- श्रमिक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (एंच्ण्) का सक्रिय सदस्य नही होना चाहिए, 4- प्लेटफार्म वर्कर्स किसी ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से कार्यशील ऐसे श्रमिक जिनकों अनुबंध की शर्तों कि अधीन पारिश्रमिक प्राप्त होता है किन्तु उन श्रमिकों और उनके नियोक्ताओ में कर्मचारी सेवायोजक का कोई पारंपरिक संबंध नही होता है। यह श्रमिक मात्र डिजिटल माध्यम (ऑनलाइन / ऐप) से जुडे होते है।

जिलाधिकारी ने क्रॉप कटिंग कराकर गेहूँ की उत्पादकता का किया आकलन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। गेहूँ की पैदावार की हकीकत देखने के लिए जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने सदर तहसील क्षेत्र के अमावां ब्लॉक के डिडौली गांव में पहुंची। उनकी देखरेख में क्रॉप कटिंग कर उत्पादकता का आकलन किया गया। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत फसल गेहूँ कटाई के 02 खेतों मे प्रयोग किए गए। एक निश्चित त्रिकोण क्षेत्र में फसल कटाई करके यह देखा गया कि कितनी उत्पादकता प्राप्त हो रही है। जिसके अंतर्गत दो खेतों में क्रॉप कटिंग की गई, जिसमें गाटा संख्या 265 में लगभग 17.350 किग्रा के हिसाब से 40 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। इसी प्रकार गाटा संख्या 99 में 18.150 किग्रा के हिसाब से 41 कुंतल/हेक्टेयर उत्पादकता उपज प्राप्त हुई। बता दें कि क्रॉप कटिंग से फसल की पैदावार देखी जाती है इसमें रेंडम आधार पर खेतों को चुनकर फसल की उत्पादकता का आकलन किया जाता है। कम उत्पादकता होने पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत जनपद में कार्यरत बीमा कंपनी किसानों को लाभ देती है, इसलिए किसानों को अधिक से अधिक फसल बीमा करा लेना चाहिए।इस मौके पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल कुमार शर्मा, तहसीलदार प्रज्ञा द्विवेदी, राजस्व निरीक्षक गुरू सहाय, अपर साँख्यिकीय अधिकारी धीरेन्द्र कुमार यादव, लेखपाल सत्यवान उपस्थित रहें।

एडीएम (प्रशासन) की अध्यक्षता में जिला सैनिक बंधु की बैठक संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। सभी उपस्थित सदस्यों का जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी, रायबरेली कैप्टन (नौ सेना) अतुल्य दयाल (अ0प्रा0) द्वारा स्वागत किया गया तथा अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) द्वारा पूर्व सैनिकों की समस्याओं का निस्तारण किया गया। सैनिक बन्धु समिति उपाध्यक्ष आनरेरी कैप्टन राजपाल सिंह द्वारा शहीद स्मारक मुंशीगंज के पास वॉर मेमोरियल बनवाए जाने हेतु नगर पालिका से एन0ओ0सी0 दिलाये जाने हेतु एवं सैनिक बंधु सूबेदार एस0के0 बाजपेयी द्वारा शहीद चौक, डिग्री कॉलेज चौराहा के पास साफ सफाई तथा गमलों में पेड़ लगवाने एवं उनकी देखभाल किए जाने हेतु नगर पालिका से अनुरोध किया गया। सैनिक बन्धु कार्पोरल सी0बी0 शुक्ला द्वारा पूर्व सैनिकों की अन्य समस्याओं के शीघ्र निवारण हेतु अनुरोध किया गया। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) द्वारा पूर्व सैनिकों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण हेतु नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया गया। इस मौके पर उप मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, उप महाप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र, प्रतिनिधि कमाण्डिग आफिसर एन0सी0सी0, प्रतिनिधि सचिव विकास, प्रतिनिधि वरिष्ठ कोषाधिकारी, प्रतिनिधि पुलिस अधीक्षक व सैनिक बन्धु समिति के सदस्य एवं अन्य पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

आज बचाओ जल उज्जवल होगा कल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
शहडोल। आज बचाओ जल उज्जवल होगा कल जल गंगा संवर्धन अभियान का नया स्वरूप समाज के सहयोग से आगे आ रहा है। ग्रामीण जन अपना जल अपनी मिट्टी तथा अपने वतन के संरक्षण एवं संवर्धन में स्वप्रेरणा से जुड़ते जा रहे हैं। प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सोहागपुर श्री अनुराग निगम ने बताया कि ग्राम पंचायत उधिया सरपंच एवं ग्रामीणों के साथ जल संवर्धन चौपाल लगाकर उनके गांव के प्राचीन मंदिर तथा मंदिर के पास स्थित तालाब के जीर्णोद्वार एवं जल संरक्षण संवर्धन पर चर्चा की गई। ग्रामीणों ने सहज रूप से तालाब के जीर्णोद्वार की बात स्वीकार की तथा अगले ही दिन कार्य में जुट गए। ग्रामीणों का कहना है कि यह तालाब 40 वर्ष से ऊपर है यहां खनिज मद से 7 लाख 50 हजार रूप्ये की लागत से यहां का निर्माण कार्य पूर्व में कराया गया है।

राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन निकाला जुलूस किया प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र ।राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा कार्यकर्ताओं द्वारा बुधवार को नगर में जुलूस निकालकर राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन के तहत अपनी मांगों को लेकर नगर भ्रमण कर कलेक्ट्रेट पहुंचने हुए विरोध प्रदर्शन कर जिलाधिकारी नामित ज्ञापन देकर बुलंद की आवाज। जिला अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण ने बताया कि भारत के संविधान लोकतंत्र और बहुजन समाज के मौलिक एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु होने वाले राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन को लेकर आज बुलंद की गई आवाज दिया गया माग पत्र ।जिलाध्यक्ष ने बताया कि भारत के संविधान, लोकतंत्र और बहुजन समाज के मौलिक एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने हेतु बुधवार को भारत मुक्ति मोर्चा, बहुजन क्रांति मोर्चा, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, राष्ट्रीय परिवर्तन मोर्चा एवं अन्य संगठनाओं के संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रव्यापी जेलभरो आंदोलन किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर इसका नेतृत्व वामन मेश्राम (राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारत मुक्ति मोर्चा एवं राष्ट्रीय संयोजक, बहुजन क्रांति मोर्चा, नई दिल्ली) और चौधरी विकास पटेल (राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा, नई दिल्ली) और सभी सहभागी बहुजन समाज के हजारों संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा राष्ट्रीय /राज्य/जिला स्तरपर लगभग 500 जिलों में किया जा रहा है।ठराष्ट्रव्यापी ज़ेलभारो आंदोलनठ के मुख्य बिंदु इस प्रकार हैंः- लोकतंत्र एवं मताधिकार के मौलिक अधिकार की रक्षा हेतु चुनाव प्रक्रिया में सुधार भारत की समस्त जनता की भावना के विरोध में जबरन चुनाव प्रक्रिया में अनिवार्य रूप में असंवैधानिक एवं मशीन का उपयोग किया जा रहा है। जिससे आम चुनावों में एवं मशीन द्वारा हुए धांदली के कई सारे उदाहरण सामने आए है। वर्तमान एवं प्रणाली जनता के वोट के मौलिक अधिकार को शून्य कर रही है और 3.5ज्ञ् शासक वर्ग द्वारा सत्ता पर असंवैधानिक कब्जे का माध्यम बन चुकी है। इसलिए समस्त भारतीय समाज के द्वारा प्रतिनिधि के रूप में एवं को हटाने के लिए समस्त बैलेट पेपर से पारदर्शी चुनाव कराने के लिये यह जेलभरो आंदोलन किया जा रहा है। जाति आधारित जनगणना की मांग केंद्र सरकार द्वारा ओबीसी की जाति आधारित जनगणना से इनकार करना संविधान विरोधी है। यह पिछड़े वर्ग को विकास की योजनाओं एवं आरक्षण से और समस्त संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखने की साजिश है। इसको उजागर करते हुए पिछड़े वर्ग सहित 6 सूत्री मांग पत्र दिया गया इस मौके पर मुलायम सिंह श्री राम सिंह प्रदीप कुमार नरेंद्र कुमार ओमप्रकाश अखिलेश कुमार मुकेश कुमार सहित आदि लोग मौजूद रहे।

जलाएं गए दस्तावेज मामले में युवा राष्ट्रीय लोकदल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । बीते मंगलवार दिन ढलने के साथ ही रात्रि के शुरूआत में अचानक से तहसील रावट्र्सगंज के तीसरी मंजिल पर धुंआ उठना शुरू हुआ, जिससे तहसील परिसर में अफरातफरी मच गई तथा धुआं तेजी से बढ़ने लगा, जहां से 2-3 कर्मचारी कूद कर भागते दिखे। तहसील परिसर के पास से गुजरते हुए युवा राष्ट्रीय लोकदल सोनभद्र जिलाध्यक्ष प्रशान्त विष्णु प्रताप सिंह ने धुंए को देखते ही मौके पर पहुंच कर चौकी इंचार्ज सहित दमकल विभाग को फोन कर सूचना दी, दमकल विभाग ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पा लिया। साथ ही जिलाधिकारी महोदय को फोन किया गया तो उन्होंने छुट्टी पर होने की बात कही तथा सीडीओ, एसडीएम, तहसीलदार को फोन किया गया तो कोई रेस्पॉन्स नहीं मिला। कुछ देर बाद सदर तहसीलदार अमित कुमार सिंह मौके पर पहुंचे तो शार्ट सर्किट से आग लगने की बात कह कर बात को टाल दिया गया। किन्तु जब आग लगी तो चैनल अन्दर से बंद था। प्रायः उस समय प्रतिदिन बंद नहीं होता था, तो यह मामला सुनियोजित ढंग से किया गया प्रतीत होता है। इस पर जब युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश सचिव अभय सिंह पटेल से बात की गई तो उन्होंने बताया कि एक डेढ़ माह पूर्व इसी तरह की घटना विकास भवन में हुई थी, कुछ आवश्यक कागजात को जलाने का विडियो वायरल हुआ था, जिसपर जिला प्रशासन की तरह से न तो जांच की गई और न तो कोई कार्रवाई हुई, इसी तरह कल नया मामला तहसील परिसर में देखने को मिला। जिस पर श्री पटेल ने मुख्यमंत्री से ट्वीट के माध्यम से तथा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी सोनभद्र को देकर दोनों मामलों में सीबीआई जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। जिससे पुनः भविष्य में इस तरह की घटनाओं को होने से रोका जा सके। इस मौके पर रालोद जिलाध्यक्ष रामसेवक पटेल, युवा रालोद जिलाध्यक्ष प्रशान्त विष्णु प्रताप सिंह, युवा जिला उपाध्यक्ष नीरज सिंह, पूर्वांचल नव निर्माण छात्र मंच के प्रदेश अध्यक्ष निर्भय सिंह, रालोद घोरावल विधानसभा प्रभारी रोहित सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता सूर्यकांत द्विवेदी, संतोष यादव, सुरेंद्र जायसवाल समेत दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जन सेवा ही प्रभु सेवा हैः समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
रायबरेली। जो लोग जरूरतमंदों की सेवा सहायता करते हैं, वे सच्चे समाजसेवी हैं। अपने लिए तो सभी जीते हैं, जो दूसरों की मदद के लिए आगे आते हैं वे सच्चे मानव होते। जनपद रायबरेली के समाजसेवी महेन्द्र अग्रवाल , यशोदा अग्रवाल, आयुषी अग्रवाल द्वारा पोषण पुनर्वास केंद्र जिला अस्पताल में छोटे छोटे नवजात शिशुओं और उनकी माताओं को समय समय पर पोषक चीजों का वितरण किया करते हैं जैसे बच्चों के लिए खिलौने,मूंगफली, भुने चने, दलिया,बिस्किट, फल में जैसे संतरा, केला , सेब आदि।नर सेवा नारायण सेवा को अपना ध्येय लक्ष्य मानकर पुण्य के रास्ते पर चलकर रायबरेली के लोगों को एक सकारात्मक संदेश दे रहे हैं।बाल रोग विशेषज्ञ डॉ ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी जी के निरन्तर दिशा मार्गदर्शन में समय समय पर पोषण पुनर्वास केंद्र में सामाजिक संस्थानों के माध्यम से विभिन्न प्रकार की गतिविधियां एवं सेवा के कार्य होते रहते है।स्टॉफ नर्स दीप शिखा , अंजली सिंह आदि लोगों के सेवा, सहयोग और देखरेख, मार्गदर्शन से आने वाले कुपोषित बच्चे और उनकी माताएं शीघ्रता से स्वस्थ्य हो जाती हैं। मातृभूमि सेवा मिशन रायबरेली इकाई के संयोजक प्रदीप पांडेय के दिशा मार्गदर्शन में योगाचार्य बृजमोहन ने शिशुओं की माताओं को मानसिक रूप से शांति के लिए गर्मी को देखते हुए आहार विहार दैनिक दिनचर्या , पर्याप्त पानी पीने की सलाह, पार्क घास खुले वातावरण में सुबह टहलने का सुझाव एवं सूक्ष्म क्रियाएं एवं ओम का उच्चारण, भ्रामरी और ब्रम्हनाद और शांति पाठ कल्याण मंत्र के साथ संपन्न हुआ।

ब्रह्म नगर सीसी रोड का अध्यक्ष ने किया लोकार्पण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र ।रावटसगंज नगर स्थित वार्ड 19 ब्रह्म नगर गली नंबर एक में सड़क सीसी रोड, पटरी व नाली का नपा अध्यक्ष रूबी प्रसाद द्वारा गुणवत्ता पूर्ण कार्य किया गया जिस पर बताया कि आम जनमानस की शिकायत उपलब्ध न हो जिसके बाद लोकार्पण करते हुए कार्य शुभारंभ कराया। वहीं आपाध्यक्ष कार्यों को कराया जाए दिशा निर्देशित किया गया है नगर पालिका क्षेत्र के आम जनमानस को किसी प्रकार से कोई दिक्कत ना हो इसको देखते हुए विशेष तौर पर सरकार से बजट

लोकार्पण करते हुए किया निरीक्षण दिए सुंदरीकरण को आवश्यक दिशा निर्देश। नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर तेजी गति दी गई है जिसके क्रम में गुरुवार को वार्ड 19 ब्रह्म नगर के पहली गली में सीसी सड़क का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की जानकारी लेते हुए संबंधित ठेकेदार के को दिशा निर्देशित किया गया की ने बताया कि वार्ड 19 पहली गली में भरत के घर से डॉ उस्मान के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना मद से निर्माण कार्य कराया गया वहीं अध्यक्ष ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र के विस्तार कार्यक्रम क्षेत्र के भी विकास कार्यों को बजट मिलकर कार्य करने को लेकर संबंधित को अवगत करा दिया गया है जल्द से जल्द सभी विकसित मांगा कर विशेष पैकेज के तहत विकास कार्यों को कराया जा रहा है। इस मौके पर अधिशासी अधिकारी विजय कुमार यादव,जेई मनीष कुमार, सभासद सुनीता चौरसिया ,चंद्र प्रकाश उर्फ पप्पू दुबे ,अनवर अली,, मनोज चौबे, अमित दुबे, अजीत सिंह ,विमलेश कुमार,आशीष,अमन,संजय, आकाश रावत शाहित आदि लोग मौजूद रहे।

सीओ ने निरीक्षण कर आईजीआरएस व विवेचनाओं जांच को दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र । क्षेत्राधिकारी नगर डॉ0 चारू द्विवेदी द्वारा सर्किल नगर के थाना रॉबर्ट्सगंज पर अर्दली रूम किया गया। अर्दली रूम के दौरान क्षेत्राधिकारी द्वारा लम्बित विवेचनाओं के सन्बंध में विस्तृत रूप से वार्ता करते हुये लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा की गई तथा विवेचनाओं का समय से निस्तारण करने हेतु सम्बंधित विवेचकों को निर्देशित किया गया, साथ ही आईजीआरएस व जनशिकायतों की सुनवाई कर तत्काल जाँच करने व विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु भी निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त क्षेत्राधिकारी द्वारा अधिक समय से लंबित विवेचनाओं के शीघ्र निस्तारण पर जोर देते हुए वांछित अभियुक्तों व वारंटियों की गिरफ्तारी करने, आईजीआरएस प्रार्थना पत्रों एवं शिकायती प्रार्थना पत्रों का त्वरित निस्तारण, रात्रि में चौराहे/तिराहे पर चेकिंग करके अपराधियों के संचरण पर रोक लगाने सहित अन्य आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों का भौतिक सत्यापन करने, अवैध शराब एवं मादक पदार्थों के तस्करों व क्रय विक्रय करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने, थाने के मालों का निस्तारण तथा महिला संबंधी अपराधों में त्वरित गति से कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इसके साथ ही वर्तमान समय में शासन एवं उच्चाधिकारीगण द्वारा जारी आदेशों एवं अभियानों के सम्बंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस मौके पर प्रभारी निरीक्षक रॉबर्ट्सगंज सत्येन्द्र कुमार राय, सहित थाने के अन्य विवेचक/उपनिरीक्षक तथा अन्य कर्मचारीगण मौजूद रहे।

सोनभद्र, मिर्जापुर

कलेक्टर ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की सुनी समस्याएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में आयोजित साप्ताहिक

जनसुनवाई में शहडोल जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं व शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के जनपद पंचायत गोहपारू ग्राम जमुनिहा निवासी श्री रामकृपाल कुशवाहा ने जनसुनवाई में कलेक्टर को बताया कि जंगली जानवरों द्वारा गेंहू, मटर मेथी की फसल को पूर्ण रूप से नुकसान कर दिया गया है। उनका कहना था कि नुकसान हुई फसल का मुआवजा दिलाया जाए। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जयसिंहनगर के ग्राम कुदरी निवासी ममता यादव ने आवेदन देकर बताया कि बुद्धसेन यादव शासकीय सेवारत पशु चिकित्सालय झारा में संरक्षक के पद पर उपकेन्द्र झारा मुख्य ग्राम खंड़ जयसिंहनगर जिला शहडोल म.प्र. में शासकीय सेवा काल के दौरान अचानक दिनांक 19.09.2009 को मृत्यु हो चुकी है तथा आज दिनांक तक मेरे मृतक पति के बाद भी अनुकम्पा नियुक्त नहीं दिया गया और न ही कोई कार्यवाही की गई। उनका कहना था कि मेरे पति के स्थान पर मेरे पुत्र अर्जुन यादव को अनुकंपा नियुक्ति दिलाई जाए। जिस पर कलेक्टर ने उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग की ओर आवेदन प्रेषित कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर ने जन सुनवाई में अन्य आवेदनों की भी सुनवाई की तथा संबंधित अधिकारियों की ओर आवेदन प्रेषित कर निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे, डिप्टी कलेक्टर श्री भागीरथी लहरे सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थें।

श्री पंचाग्नि महायज्ञ एव श्रीमद्भागवत कथा संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

डाला सोनभद्र। कोटा ग्राम पंचायत के कोटा खास बाजार में सात दिवसीय श्री पंचाग्नि महायज्ञ एव श्रीमद्भागवत कथा संगीतमय

कार्यक्रम का आयोजन समिति अध्यक्ष अनिल जायसवाल ने नेतृत्व में किया गया जिसमें मंगलवार को सुबह नौ बजे कनहर नदी से जल उठाकर कलश यात्रा प्रारम्भ कर घनश्याम बाबा होते हुए कोटा खास बाजार में स्थित यज्ञ मंडप तक जय कारे के साथ पहुंच कर कलश यात्रा संपन्न हुआ इस दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया वहीं इस अवसर पर अमरेश उपाध्याय अनिल जायसवाल विकास जायसवाल संतोष जायसवाल कन्हैया कनौजिया आकाश उपाध्याय लोवकेश प्रजापति कमलेश प्रजापति हृदय नारायण तिवारी महेंद्र त्रिपाठी आशीष जायसवाल करमचंद जायसवाल ने सामुहिक रूप से बताया कि कोटा खास बाजार में सात दिवसीय श्री पंचाग्नि महायज्ञ एव श्रीमद्भागवत कथा संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक आचार्य आत्मा दास जी महाराज द्वारा होना सुनिश्चित हुआ है जिसका प्रारंभ कलश यात्रा के साथ किया गया।

जन जन ने यह ठाना है कुपोषण मुक्त बनाना है :विनीत सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र ।महिला एवं बाल विकास विभाग से जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह के निर्देशन के क्रम मे समस्त जनपद समेत मंगलवार को आकांक्षी ब्लॉक चतरा ब्लॉक सभागार मे खण्ड विकास अधिकारी दिनेश मिश्रा एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी रविन्द्र प्रकाश गिरी के अध्यक्षता मे सभी आंगनवाड़ी बहनो को पोषण युक्त खान - पान एवम सरकार द्वारा चलाये जा रहे सुबिधाओं के बारे मे विस्तृत चर्चा करते - हुए सभी आंगनवाडी को हरी झड़ी दिखाकर पोषण कार्यो - को जन जन तक पहुचाने हेतु रवाना - किया साथ मे बताया कि पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत 8 अप्रैल से 22 अप्रैल - तक पोषण थींम के अनुसार कार्य करते - हुए आंगनवाड़ी बहने घर घर जा कर - सभी लाभार्थियों को स्वास्थ्य एवम - पोषण हेतु जागरूक करेंगी पिरामल फाउंडेशन से जनपद प्रानिधि वीरेंद्र पाण्डेय द्वारा बताया गया कि पोषण पखवाड़ा में बच्चों के ऊपरी आहार एवम गर्भवती, धात्री को पोषण युक्त भोजन के लिए प्रोत्साहन के लिए अभियान चलाया जाएगा जिसके अंतर्गत सभी आंगनवाड़ी ग्राम सभा में प्रत्येक लाभार्थियों के साथ अधिक से अधिक बैठक कर जन जागरूकता अभियान चलाएंगी साथ में ही पोषण पखवाड़ा में स्वास्थ्य विभाग पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग समेत अन्य विभाग का सहयोग भी अपेक्षित है उक्त कार्यक्रम में नीति फेलो मनीषा सिंह ,पिरामल फाउंडेशन से स्वाति सुमन आंगनबाड़ी सुपरवाइजर माधुरी सिंह ,सीता राय समेत सभी आंगनवाड़ी उपस्थित रहीं ।

योगी सरकार में ब्राह्मणों का सर्वनाश, गोरखपुर की घटना ने तोड़ी चुप्पी की चादरः राघवेंद्र नारायण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार ने ब्राह्मण समुदाय के खिलाफ ऐसा क्रूर अभियान छेड़ा है कि यह राज्य अब उनके लिए नरक बन चुका है। गोरखपुर में समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक और ब्राह्मणों की मज़बूत आवाज़ श्री विनय शंकर तिवारी की गिरफ्तारी ने साबित कर दिया कि योगी सरकार ब्राह्मणों को उनकी जड़ों से उखाड़ फेंकने की खुली साजिश रच रही है। एन एस यू आई कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रीय सचिव राघवेंद्र नारायण ने इसे ब्राह्मणों का व्यवस्थित नरसंहारठ करार देते हुए कहा कि यह घटना योगी के गढ़ में ब्राह्मणों की दहशत और दर्द की सबसे बड़ी गवाही है। राघवेंद्र नारायण ने तथ्यों के साथ भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा, ठपिछले आठ वर्षों में योगी सरकार में 12,000 से अधिक पुलिस मुठभेड़ें हुईं, जिनमें 222 अपराधी मारे गए। विभिन्न रिपोर्ट्स और संगठनों के अनुसार, इनमें से 20 से अधिक ब्राह्मण थे, जिनमें कानपुर का विकास दुबे, उनके सहयोगी, और अन्य शामिल हैं। एनसीआरबी के आँकड़ों के आधार पर, 2017 से 2022 तक उत्तर प्रदेश में 18,000 से अधिक हत्याएँ हुईं, जिनमें अनुमानित 2,100 से अधिक ब्राह्मण पीड़ित थे। पिछले पाँच वर्षों में 1,400 से अधिक हत्याओं में 500 से ज्यादा ब्राह्मण मारे गए। संपत्ति कुर्की के 4,076 करोड़ रुपये से अधिक के मामलों में 1,600 से ज्यादा ब्राह्मण प्रभावित हुए, जो कुल का 40ज़ से अधिक है। इसके अलावा, 2019 से अब तक 3,500 से अधिक ब्राह्मणों को विभिन्न आपराधिक मामलों में फँसाया गया, जिनमें से 60ज़ से ज्यादा मामले राजनीति से प्रेरित माने जाते हैं। यह आँकड़े साफ चीखते हैं कि योगी सरकार ब्राह्मणों को खत्म करने

का खूनी खेल खेल रही है।ठउन्होंने गुस्से और दुख के साथ कहा, ठब्राह्मणों का खून सड़कों पर बह रहा है, उनके जनेऊ को गोलियों से छलनी किया जा रहा है, उनकी जमीनें बुलडोज़र से रौंदी जा रही हैं, और सूबे की सरकार इस अत्याचार पर सत्ता का तांडव कर रही है। मुख्यमंत्री कहते हैं 'बंटेंगे तो कटेंगे', लेकिन सच यह है कि ब्राह्मणों को बाँटकर उनकी क़मर तोड़ी जा रही हैं। कोई ब्राह्मण नेता कुर्सी पर बैठता है, तो वह कुर्सी बचाने के चक्कर मुँह पर ताला लगा लेता है। गोरखपुर में श्री विनय शंकर तिवारी को जंजीरों में जकड़कर योगी ने यह ऐलान कर दिया कि ब्राह्मणों की आवाज़ को अब उनके अपने घर में भी कुचल दिया जाएगा।राघवेंद्र नारायण ने केंद्र और प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, ठ2017 में ब्राह्मणों ने 82ज़ से अधिक वोट बीजेपी को दिए, लेकिन बदले में उन्हें लाठियाँ, जेल की सलाखें, और मौत का मंज़र मिला। बीजेपी ने ब्राह्मणों को वोट की भट्टी में झोंक दिया और सत्ता में आने के बाद उनके माथे पर कफन बाँध दिया। 12ज़ ब्राह्मण आबादी को कुचलकर सरकार उनकी साँसें छीन रही हैं। पिछले चार वर्षों में ब्राह्मण विधायकों की संख्या 17ज़ से घटकर 9ज़ रह गई, और ब्राह्मण अधिकारियों को नौकरशाही में हाशिए पर धकेल दिया गया । यह ब्राह्मणों का अपमान नहीं, उनकी पहचान का खात्मा है।ठकांग्रेस नेता ने ब्राह्मण समुदाय को याद दिलाते हुए कहा, ठयह वक्त डरने का नहीं, डटने का है। आपके घरों में आग लगाई जा रही है, आपके बच्चों का भविष्य जलाया जा रहा है, और आपका सम्मान मिट्टी में मिलाया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी आपके खून की हर बूँद के लिए सड़कों पर संघर्ष करेगी । हम गोरखपुर की घटना के खिलाफ चुप नहीं बैठेंगे । ब्राह्मण-विरोधी साजिश के खिलाफ उन्होंने केंद्र सरकार को कड़ा संदेश देते हुए कहा, ठयदि यह खूनखराबा नहीं रुका, तो ब्राह्मण समाज अपनी ताकत का ऐसा तूफान खड़ा करेगा कि 2027 का चुनाव बीजेपी का काल बन जाएगा। माननीय योगी को जवाब देना होगा कि वह ब्राह्मणों की कब्रें क्यों खोद रहे हैं। यह सिर्फ एक समुदाय की लड़ाई नहीं, लोकतंत्र की आखिरी साँस बचाने की जंग है, और हम इसे हर हाल में जीतेंगे ।

केंद्र प्रमुख के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का कोर्ट ने दिया आदेश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । बिरसा मुंडा बनवासी विद्यापीठ सेवा कुंज आश्रम कारीडांड़ चपकी में 12 वर्षीय आदिवासी नाबालिग छात्र से अश्लील कार्य कराने के मामले में सोमवार को अपर सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट सोनभद्र अमित बीर सिंह की अदालत ने विद्यालय केंद्र प्रमुख कृष्ण गोपाल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना का आदेश बभनी थानाध्यक्ष को दिया है। यह आदेश पीड़ित छात्र की मां द्वारा अधिवक्ता विकास शाक्य के जरिए दाखिल 173(4) बीएनएसएस के प्रार्थना पत्र पर कोर्ट ने दिया है। दिए प्रार्थना पत्र में अवगत कराया गया है कि पीड़ित छात्र बिरसा मुंडा बनवासी विद्यापीठ सेवाकुंज आश्रम कारीडांड़ चपकी में कक्षा 7 का छात्र था। घटना 5 जनवरी 2025 को समय करीब दोपहर 1:00 बजे की

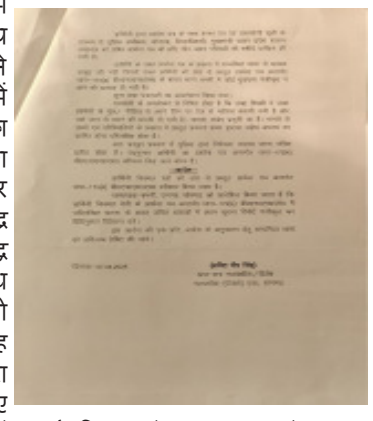

है। विद्यालय केंद्र प्रमुख कृष्ण गोपाल अपने कमरे में बुलाकर दरवाजा बंद करके आदिवासी छात्र से अश्लील कार्य कराने लगा और धमकी दिया कि किसी को बताया तो बहुत मार मारेंगे जिंदा नहीं बचोगे। किसी तरह वहां से भाग कर छात्र ने फोन करके घर पर सूचना दिया। उसके बाद छात्र को घर ले आई। दूसरे दिन 6 जून 2025 को बभनी थानाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। उसके बाद एसपी सोनभद्र समेत उच्चाधिकारियों को रजिस्टर्ड डाक से शिकायती पत्र भेजा, परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई। तब मजबूर होकर 173 (4) बीएएसएस के तहत कोर्ट में प्रार्थना पत्र दाखिल किया था।मामले की सुनवाई करते हुए अदालत नेअधिवक्ता विकास शाक्य के तर्कों को सुनने एवं पत्रवाली का अवलोकन करने के बाद प्रथमदृष्टया अपराध मानते हुए आरोपी कृष्ण गोपाल के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में एफआईआर दर्ज कर विधि अनुरूप विवेचना किए जाने का आदेश थानाध्यक्ष बभनी को दिया है ।

सदर तहसील बिल्डिंग के ऊपर जलाए गए दस्तावेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । सदर कोतवाली क्षेत्र के तहसील परिसर के बिल्डिंग के ऊपर

मंगलवार देर शाम संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग सैकड़ो के संख्या में दस्तावेज जलकर हुए खाक। पुलिस के सूचना पर पहुंची दमकल वाहन मस्कट के बाद आग पर पाई काबू दमकल विभाग के अधिकारियों का कहना है जले हुए कागजों में दस्तावेज जैसे कागज दिखाई दे रहे हैं जगह-जगह कई स्थानों पर जलाया गया दस्तावेज किस-के शह पर यह हुई इतनी बड़ी लापरवाही आखिरकार कौन है जिम्मेदार मौके पर पहुंचे सदर तहसीलदार बोलने से कतराते दिखे फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने बताया मौके पर पहुंचते ही तीन-चार कर्मचारी ऊपर से कूद कर हुए फरार अंधेरे की वजह से नहीं चल सका पता कितने बड़े घोटाले का राज जला रहे थे अधिकारी या कर्मचारी कब होगा खुलासा, अब जाली के घटना से पूरे जिले में मचा हड़कंप राजनीतिक गलियारे में तरह-तरह की चर्चाएं हुई शुरू आखिरकार इस दस्तावेज जलाने के पीछे किसकी है साजिश कितना बड़ा है राज कितने की घोटाले बाजी सारा मामला अभी तक है संदिग्ध।

हनुमान जन्मोत्सव पर बाल हनुमान मंदिर का सजेगा दिव्य दरबार, होगा दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । हनुमान जन्म उत्सव के अवसर पर नगर के मेन रोड उत्तर मोहाल में स्थित केडिया जी के बगीचे (अवतार उपवन) के बाल हनुमान मंदिर में दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन होना है जिसमें प्रथम दिन 'आनंद उत्सव' और दूसरे दिन 'बधाई उत्सव' का आयोजन किया जाएगा। आयोजक निर्मल केडिया ने बताया है कि दिनांक 12 अप्रैल दिन शनिवार को सुबह 10:00 बजे से हनुमान जी का दिव्य श्रृंगार, मधुर सोहर गीत का गायन किया जाएगा। शाम 7:00 बजे हनुमान जी की जन्मोत्सव की झांकी के दर्शन एवं दिव्य आरती की जाएगी और रात्रि 8:00 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है। जिसमें की सुप्रसिद्ध भजन गायक संजीव शर्मा अपने गायन के माध्यम से भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगे।वहीं दिनांक 13 अप्रैल दिन रविवार को सुबह 7:00 से ब्रह्म बाबा की गली से निशान यात्रा निकाली जाएगी जो कि बाल हनुमान मंदिर पर जाकर सम्पन्न होगी जहां पर भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा इसके बाद प्रसाद वितरण और हवन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न होगा।आयोजक निर्मल कुमार केडिया ने सभी हनुमान भक्तों से निवेदन किया है कि इस अवसर पर सभी हनुमान भक्त मंदिर पर उपस्थित होकर पूर्ण के भागी बने।

करणीय सेना नें राणा सांगा के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने वाले सांसद का पुतला किया दहन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

ब्योहारी। राज्य सभा सांसद रामजी लाल सुमन द्वारा 21 मार्च

2025 को राज्य सभा पटल मे महाराणा संग्राम सिंह को गद्दार कहते हुए उनके खिलाफ अभद्र टिप्पणी की गयी जिसे लेकर श्री राजपूत करणी सेना एवं समस्त क्षत्रीय समाज ब्योहारी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा आज दिन मंगलवार को ब्योहारी मे रैली निकाली गयी एवं मुर्दाबाद के नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन कर बनसुकली चौराहा मे सांसद का पुतला दहन किया गया है। विरेश सिंह (रिंकू) द्वारा बताया गया कि महाराणा संग्राम सिंह, जिन्हें राणा सांगा के नाम से जाना जाता है। भारतीय इतिहास के योद्धाओं में से एक रहे हैं। वह सिसोदिया वंश के गौरवशाली राजा थे और 1509 से 1527 तक मेवाड़ के शासक रहे। उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों के विरुद्ध कई युद्ध लड़ा और अपने वीरता व पराक्रम के लिए जाने जाते हैं। उनके योगदान और बलिदान को लेकर देशवासियों की भावनाएँ गहरी रूप से जुड़ी हैं। सांसद रामजी लाल सुमन के इस बयान को राजपूत समाज ने अपनी अस्मिता और सम्मान पर आघात बताया है। जिसके लिये आज राज्यसभा सांसद का पुतला दहन करते हुए कानूनी कार्रवाई किये जाने हेतु महामहिम राजयपाल के नाम तहसीलदार ब्योहारी को मांग पत्र दिया गया है। विरोध प्रर्दशन के दौरान मुख्य रुप से विरेश सिंह रिंकू, ब्योहारी राजपूत करणी सेना अध्यक्ष अशोक सिंह, राजेश सिंह शिकरवार, महेंद्र सिंह, गोल्डी सिंह, रामबहोर तिवारी, शिव प्रताप सिंह, संदीप सिंह, प्रभात सिंह, पुनीत सिंह, सुदीप सिंह, विक्रम सिंह, मंगलेश्वर सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

छात्र संगठनः एनएसयूआई ने मनाया 55 वां स्थापना दिवस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र ।एनएसयूआई ने मनाया 55वां स्थापना दिवस मनाते

एनएसयूआई के पदाधिकारी एवं अन्य छात्र।भारतीय राष्ट्र छात्र संगठन (एनएसयूआई) के सोनभद्र के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता के नेतृत्व छात्र संगठन का 55वां स्थापना दिवस मनाया गया। मौके पर छात्र संगठन एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अंशु गुप्ता ने कहा कि आज के ही दिन 9 अप्रैल 1971 ई में छात्र संगठन एनएसयूआई का इंदिरा गांधी के द्वारा छात्रों को एकता में बांधने के लिए स्थापना किया था।तब से छात्र संगठन विद्यार्थियों की हर समस्या में साथ खड़ा होकर काम करते आ रहा है। मौजूदा समय में जिला एनएसयूआई मजबूती के साथ एक एक विद्यार्थियों कि हर समस्याओं नामांकन, पंजीयन, स्कॉलरशिप तथा परीक्षा फॉर्म सहित स्कूल व कॉलेजों के बढ़े शुल्क बढ़ोतरी के सभी तरह के मुसीबत में हर संभव विद्यार्थियों के साथ खड़ा होकर मदद कर रही हैं। तथा आगे भी विद्यार्थियों की हर समस्या में छात्र संगठन एनएसयूआई हमेशा से मदद के लिए खड़ी रहेगी एडमिशन के नाम पर पैसा लिया जाता है वह दूसरी ओर फीस के नाम पर पर भी मनमाना वसूली की की जा रही है आए दिन कापी किताबों के दाम बढ़ोतरी के कारण भाजपा शासन में शिक्षा भी ग्रहण करना मुश्किल होता जा रहा है ,उपस्थित रहने वाले में ..रोहित कुमार,शनि गुप्ता,युराज गोस्वामी,प्रियांशु मदेशिया,आलोक कुमार आदि रहे।

ठगी पीड़ित जमा करता परिवार ने किया विरोध प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । कलेक्ट्रेट परिसर में बुधवार को ठगी पीड़ित जमा करता परिवार के सदस्यों द्वारा अपनी चार

सूत्री मांग को लेकर राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री नामित जिलाधिकारी प्रतिनिधि को ज्ञापन देकर किया विरोध प्रदर्शन बुलंद की आवाज। जिला अध्यक्ष गिरीश कुमार मिश्रा ने बताया कि निर्दोष एजेंट को झूठे मुकदमे प्रताड़ना एवं पलायन से बचने और ठगी पीड़ितों का भुगतान करने और उन्हें मुआवजा दिलाने को लेकर एक दिवासी धरना प्रदर्शन कलेक्ट्रेट परिसर में किया गया जिसमें हम लोगों की विभिन्न मांगे रही।भुगतान आवेदन शिवरों का आयोजन करवाये ताकि निवेश एजेंट का उत्पीड़न पलायन और आत्महत्याओं को रोका जा सके
निवेशकों को उनकी डूबी हुई रकम, ब्याज, मुआवजा, क्षतिपूर्ति के साथ बड्स एक्ट-2019 एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 व भारतीय न्याय संहिता-2023 के तहत अविलम्ब वापस कराने के लिए सक्षम अधिकारियों को आवेदन लेने और उन आवेदनों पर विधिसम्मत (नोटिस, सम्मन, कुर्की) की कार्यवाही करने के आदेश पारित करें।ठगी का शिकार बने पीड़ितों के लिये विशेष राहत कोष बनाकर उनको मुआवजा दें, ताकि लोक कल्याणकारी राज्य की परिभाषा सार्थक हो सके।उपरोक्त संस्थानों में काम करने वाले बेरोजगार हुये कथित एजेंट्स को रोजगार सुरक्षा सम्मान मुआवजा दिया जाये ताकि करोड़ों एजेंट्स भयमुक्त, सम्मान युक्त जीवन जी सकें। वही श्री मिश्र ने बताया कि चेतावनी :-यदि सरकार ने आगामी 30 अप्रेल 2025 तक सभी तहसीलों में भुगतान शिविर लगाकर ठगी पीड़ितों का भुगतान नहीं किया और बड्स एक्ट-2019 की अनुपालना सुनिश्चित नहीं की तो हम बड्स एक्ट-2019 का उल्लंघन करने वाले राज्य को अपराधी घोषित करते हुये उसका विरोध करेंगे और इस्तीफे की मांग करते हुये आगामी 1 मई 2025 से संसद भवन नई दिल्ली का घेराव आरम्भ करेंगे जो उपरोक्त 4 न्यायपूर्ण मांगों की पूर्ति तक चलेगा। अध्यक्ष ने बताया कि संसद द्वारा बनाये गये कानूनों की अनुपालना सुनिश्चित करायें और दोषी अधिकारियों, राज्य को बर्खास्त करें, ताकि हमारा देश ठगमुक्त, बेईमान रहित, राष्ट्र राज्य के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त करे और हम अपने समाज अपने परिवारों और अपने राष्ट्र को टूटने, खत्म होने से बचा सकें। इस मौके पर हरिश्चंद्र पांडे सुरेश कुमार राम सूरत राजेश्वर प्रसाद गणेश गुप्ता अमरावती फुलवंती जीवंती शिव कुमारी कलावती सहित आदि लोग मौजूद रहे।

अजब - गजब कारनामें जिस पंचायत सचिव की शिकायत की गई है उसे ही बना दिया जांच अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । सोनभद्र विकास खंड के ग्राम पंचायतों में हो रहे भ्रष्टाचार को एडीओ पंचायत का खुला संरक्षण जिस पंचायत सचिव को अपने ग्राम पंचायत नहीं जाने ब्लॉक में बैठे ही कागजी खानापूर्ति करने और विकास कार्यों में सरकारी धन का बंदरबांट भ्रष्टाचार की शिकायतें ग्रामीणों द्वारा की गई थी। जिसको मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की गई जांच हेतु सहायक विकास अधिकारी को जांच मिली और सहायक विकास अधिकारी ने उसी ग्राम पंचायत सचिव को जांच की जिम्मेदारी दे दी जिसकी शिकायत की गई है। एडीओ पंचायत के इस अजीबो गरीब फैसले की चर्चा जोरों से चल रही है सरकार के जीरो टार्लेंस की नीति की धज्जियां उड़ाते एडीओ पंचायत ने भ्रष्ट ग्राम प्रधानों और पंचायत सचिवों को खुला संरक्षण दे रखा है। सूत्रों ने बताया कि एडीओ पंचायत जांच के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति कर अपनी जेबें भरने का काम कर रहे हैं जब भी कोई शिकायत कर्ता किसी ग्राम पंचायत की जांच के लिए शिकायती पत्र देता है तो बड़े अधिकारी जांच करने से बचते है और सहायक विकास अधिकारी को जांच का जिम्मा सौप कर अपना पल्ला झाड़ लेते है इसके बाद इस प्रकार के जांच का पूरा फायदा अपने निजी लाभ के लिए एडीओ पंचायत द्वारा किया जाता है। जो क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। सरकारी धन के बंदरबांट करने वाले पंचायत सचिवों ग्राम प्रधानों पर इतने मेहरबान है एडीओ पंचायत की शिकायत करने वाले से ही साक्ष्य मांगते है उनका कहना है कि अगर ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार हुआ है तो आप साक्ष्य प्रस्तुत करें जबकि ग्राम पंचायतों के सारे अभिलेख रिकार्ड उनके ब्लॉक में ही मौजूद है बावजूद इसके एडीओ पंचायत का शिकायत कर्ता से साक्ष्य मांगना समझ से परे है। इस संबंध में जब जिला पंचायत राज अधिकारी से वार्ता करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

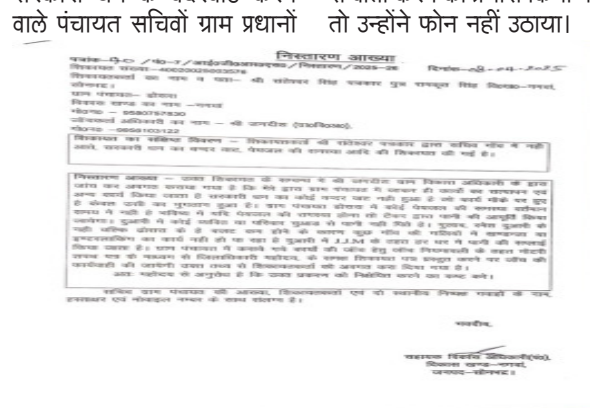

स्पोर्ट्स

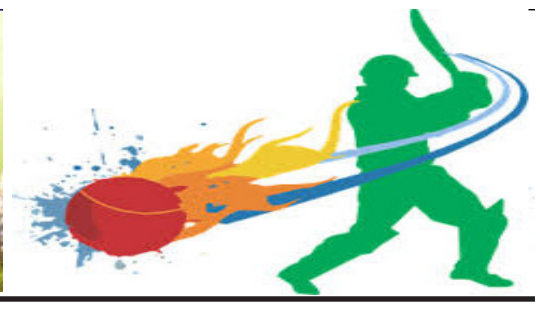

चौथी बार आईपीएल में लगातार चार मैच हारा सीएसके, 2022 से पंजाब से सर्वाधिक बार मिली है शिकस्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सीएसके ने अब तक पांच मैच खेले हैं और उसे एक मैच में ही जीत मिली है। दूसरी ओर, पंजाब ने सीएसके पर जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष चार में वापसी कर ली है। पंजाब के चार मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ छह अंक हैं और वह चौथे स्थान पर है। मुल्लांपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 219 रन बनाए थे। जवाब में सीएसके निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर सिर्फ 201 रन ही बना सकी।आईपीएल इतिहास में यह चौथी बार है जब सीएसके ने किसी आईपीएल सीजन में लगातार चार मैच गंवाए हैं। उसने 2010, 2022, 2022-23 और अब 2025 सीजन में लगातार चार मैच गंवाए। 2010 में टीम को पंजाब, आरसीबी, मुंबई और राजस्थान से हार मिली थी। वहीं, 2022 में केकेआर, लखनऊ, पंजाब और हैदराबाद ने सीएसके को हराया था। 2022- 23 में मुंबई, गुजरात, राजस्थान और गुजरात ने टीम को मात दी थी। दरअसल, 2022 सीजन के अंतिम तीन मैच सीएसके ने गंवाए थे और 2023 सीजन का शुरुआती मुकाबला भी टीम हार गई थी। इस तरह उसने लगातार चार मैच गंवाए थे। अब सीएसके को इस सीजन आरसीबी, गुजरात, दिल्ली और पंजाब से हार का सामना करना पड़ा। सीएसके को 2022 से आईपीएल में सबसे ज्यादा हार अगर किसी टीम से मिली है तो वो पंजाब किंग्स ही है। पंजाब ने 2022 से अब तक सीएसके को पांच बार हराया है। पंजाब ने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस को पीछे छोड़ा जिन्होंने सीएसके को चार-चार बार हराया है। वहीं, चेन्नई को लखनऊ सुपर जाएंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ तीन-तीन बार हार का सामना करना पड़ा है। सीएसके के लिए पंजाब के खिलाफ डेवोन कॉनवे ने अर्धशतकीय पारी खेली। तीसरे विकेट के लिए शिवम दुबे और डेवोन कॉनवे ने 51 गेंदों में 89 रन जोड़े। कॉनवे ने इस मुकाबले में 69 रनों की दमदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने महज 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ कॉनवे ने आईपीएल में 1000 रन भी पूरे कर लिए। वह सबसे कम पारियों में 1000 रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस मामले में साई सुदर्शन और मैथ्यू हेडन को पीछे छोड़ा। सुदर्शन और हेडन ने 25 पारियों में आईपीएल में 1000 रन पूरे किए थे, जबकि कॉनवे ने 24 पारियों में ही ऐसा किया।

दोहा डायमंड लीग से सत्र की शुरुआत करेंगे भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा, 16 मई को होगा आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नीरज ने 2023 में कतर स्पोर्ट्स क्लब में 88.67 मीटर के प्रयास से जीत हासिल की थी। प्रतियोगिता में तीसरी बार हिस्सा ले रहे नीरज ने कहा कि वह कतर में भारतीय प्रशंसकों के सबसे उत्साही दर्शकों के सामने प्रतिस्पर्धा करने के लिए बेताब हैं।नीरज ने 2023 में कतर स्पोर्ट्स क्लब में 88.67 मीटर के प्रयास से जीत हासिल की थी। प्रतियोगिता में तीसरी बार हिस्सा ले रहे नीरज ने कहा कि वह कतर में भारतीय प्रशंसकों से और अधिक उत्साही समर्थन की उम्मीद कर रहे हैं। नीरज ने कहा, मैं कतर में भारतीय लोगों से मिलने वाले समर्थन से हमेशा अभिभूत रहता हूं। उनका धन्यवाद करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं। चेक गणराज्य के जान जेलेज्नी अब 27 वर्षीय नीरज को कोचिंग देते हैं जो विश्व भाला फेंक रिकॉर्ड धारक (98.48 मीटर) और कई ओलंपिक और विश्व चैंपियन हैं। नीरज ओलंपिक स्वर्ण और विश्व चैंपियनशिप स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक एवं फील्ड एथलीट हैं। साथ ही डायमंड लीग प्रतियोगिता और डायमंड लीग खिताब जीतने वाले पहले भारतीय भी हैं। वह पिछले साल ओलंपिक फाइनल में अरशद नदीम और ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल में एंडरसन पीटर्स से पिछड़कर दूसरे स्थान पर रहे थे।

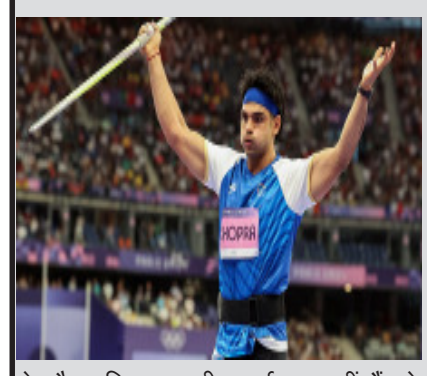

पूजा ठाकुर जहां से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बनीं, अब वहां देंगी कोचिंग; यहां बतौर कोच देंगी सेवाएं

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पूजा ने भारतीय खेल प्राधिकरण के धर्मशाला स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में बतौर कबड्डी कोच ज्वाइन कर लिया है। इससे पहले वह बिलासपुर में सेवाएं दे रही हैं। वर्ष 2014 के एशियाई खेलों में कबड्डी में स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम की सदस्य रहीं पूजा ठाकुर जहां से अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बनीं अब वहीं खिलाड़ियों को तराशेंगी। पूजा ने भारतीय खेल प्राधिकरण के धर्मशाला स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी में बतौर कबड्डी कोच ज्वाइन कर लिया है। इससे पहले वह बिलासपुर में सेवाएं दे रही हैं। पूजा एक्साइज एंड टैक्सेशन विभाग में असिस्टेंट कमीश्नर के पद पर तैनात हैं और डेपुटेशन पर खेल प्राधिकरण के धर्मशाला सेंटर में कबड्डी कोच के तौर पर सेवाएं देते हुए खिलाड़ियों की प्रतिभा निखार रही हैं।पूजा ने वर्ष 2004 में धर्मशाला स्थित साई हास्टल में बतौर खिलाड़ी एंट्री की थी। यहां रहकर कबड्डी की बारीकियों को सीखते हुए हिमाचल और भारत को कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक दिलाए थे। इस दौरान पूजा कई प्रतियोगिताओं में भारतीय टीम की कप्तान भी रहीं। वर्ष 2012 में पूजा को राज्य सरकार ने एक्साइज विभाग में नौकरी दी। इसके बाद पूजा ठाकुर ने वर्ष 2014 में एशियन गेम्स में भारतीय टीम को कबड्डी में स्वर्ण पदक दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई। बिलासपुर के स्योहला गांव की पूजा ठाकुर ने 14 साल की उम्र में साई हास्टल में प्रशिक्षण लेना शुरू किया था।पूजा ने कहा कि मेरे के लिए गौरव की बात है कि जो मेरी कर्म भूमि रही है। आज वहां पर ही बतौर कोच के रूप में सेवाएं देने का मौका मिला है। हिमाचल ने भारतीय कबड्डी टीम को कई खिलाड़ी दिए हैं। आज के समय में साई सेंटर की खिलाड़ी पुष्पा राणा, ज्योति ठाकुर, चंपा, भावना और निधि सहित कई खिलाड़ी भारतीय टीम से खेल रही हैं। कबड्डी में प्रदेश की सेकेंड लाइन की खिलाड़ियों को प्रशिक्षित कर आगे लाने का प्रयास है ताकि देश के ओर अधिक अच्छे खिलाड़ी मिल सकें।

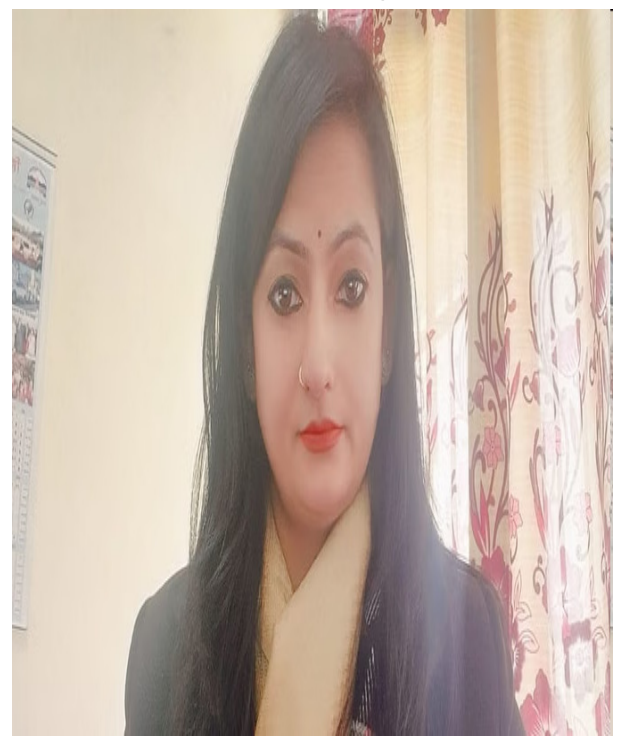

18 साल की महिला निशानेबाज सुरुची ने जीता स्वर्ण पदक, चीन के प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 583 का स्कोर बनाया था। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं मनु भाकर, सुरभि राव, सैनयम और सिमरनप्रीत कौर फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं। भारत की 18 साल की प्रतिभाशाली सुरुचि इंदर सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने आठ निशानेबाजों के फाइनल में 244.6 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने चीन की किवान वेई (241.9) और दोहरा ओलंपिक पदक विजेता जियांग रैनजिन (221.0) को क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर पछाड़ दिया। इससे पहले सुरुचि ने क्वालिफिकेशन में 583 का स्कोर बनाया था। दो ओलंपिक पदक जीत चुकीं मनु भाकर, सुरभि राव, सैनयम और सिमरनप्रीत कौर फाइनल में जगह नहीं बना सकी थीं। सुरुचि ने नई दिल्ली में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के यूथ, जूनियर और सीनियर वर्ग में तीन स्वर्ण पदक हासिल किए थे।

आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर अब ग्लेन मैक्सवेल पर लगा जुर्माना, एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। मैक्सवेल बल्ले और गेंद दोनों से संघर्ष कर रहे हैं। वह सीएसके के खिलाफ मैच के दौरान एक रन बनाकर आउट हुए थे। उन्हें सीएसके के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपना शिकार बनाया था। पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इतना ही नहीं, मैक्सवेल में खाते में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। मैक्सवेल ने लेवल-1 के अपराध पर स्वीकार कर लिया है जिस कारण इस मामले में आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल पर आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के कारण मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और साथ ही एक डिमेरिट अंक भी दिए हैं। मैक्सवेल ने धारा 2.2 के अंतरगत लेवल-1 के अपराध और मैच रेफरी द्वारा लगाए गए जुर्माने को स्वीकार किया। लेवल-1 के अपराध के लिए मैच रेफरी का फैसला ही अंतिम होता है। मैक्सवेल बल्ले और गेंद दोनों से संघर्ष कर रहे हैं। वह सीएसके के खिलाफ मैच के दौरान एक रन बनाकर आउट हुए थे। उन्हें सीएसके के स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अपना शिकार बनाया था। पंजाब की टीम हालांकि, 18 रन से यह मुकाबला अपने नाम करने में सफल रही थी। पंजाब की टीम चार मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ छह अंक लेकर फिलहाल अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। यह पहली बार नहीं है जब किसी खिलाड़ी पर आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर जुर्माना लगाया गया है। इस आईपीएल सीजन में पिछले कुछ दिनों से लगातार खिलाड़ियों पर जुर्माना लग रहा है। लखनऊ सुपर जाएंट्स के दिग्वेश राठी पर दो बार विवादित तरीके से जश्न मनाने के कारण जुर्माना लग चुका है। वहीं, ऋषभ पंत, आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या, शुरुआती तीन मैच में राजस्थान रॉयल्स की कमान संभालने वाले रियान पराग और गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा पर भी जुर्माना लगाया जा चुका है।

चेन्नई की हार का सिलसिला जारी, प्रियांश-शशांक की बदौलत जीत की पटरी पर लौटी पंजाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। पंजाब ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 219 रन बनाए थे। जवाब में सीएसके निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर सिर्फ 201 रन ही बना सकी। उनके लिए डेवोन कॉनवे ने अर्धशतकीय पारी खेली। पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 18 रन से हराकर जीत की पटरी पर वापसी कर ली। वहीं, चेन्नई ने लगातार चौथा मैच गंवाया। मंगलवार को मुल्लांपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 219 रन बनाए थे। जवाब में सीएसके निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर सिर्फ 201 रन ही बना सकी। उनके लिए डेवोन कॉनवे ने अर्धशतकीय पारी खेली। पंजाब के लिए लॉकी फर्ग्यूसन ने दो विकेट हासिल किए जबकि यश ठाकुर और ग्लेन मैक्सवेल को एक-एक सफलता मिली।220 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई को रचिन रवींद्र और डेवोन कॉनवे ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 61 रनों की साझेदारी हुई जिसे मैक्सवेल ने तोड़ा। उन्होंने रचिन को प्रभसिमरन सिंह के हाथों कैच कराया। वह 23 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद क्रीज पर आए कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ सिर्फ एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए।तीसरे विकेट के लिए शिवम दुबे और डेवोन कॉनवे ने 51 गेंदों में 89 रन जोड़े। हालांकि, दुबे 42 रन बनाकर आउट हो गए। वह अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए। इसके बाद क्रीज पर महेंद्र सिंह धोनी बल्लेबाजी के लिए आए। अब टीम को जीत के लिए 25 गेंदों में 69 रनों की जरूरत थी। उन्होंने कॉनवे के साथ 12 गेंदों में 20 रन जोड़े। इसके बाद कॉनवे रिटायर्ड आउट हो गए।सलामी बल्लेबाज ने इस मुकाबले में 69 रनों की दमदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने महज 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ कॉनवे ने आईपीएल में 1000 रन भी पूरे कर लिए। वह सबसे कम पारियों में 1000 रन पूरे करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। कॉनवे के बाद क्रीज पर जडेजा पहुंचे। अब टीम को 12 गेंदों में 42 रनों की जरूरत थी। पारी का 19वां ओवर अर्शदीप सिंह ने डाला। इस ओवर में कुल 15 रन आए, अब जीत का अंतर छह गेंदों में 28 रन हो गया।पारी के आखिरी ओवर की पहली गेंद पर यश ठाकुर ने धोनी को युजवेंद्र चहल के हाथों कैच कराया। वह 12 गेंदों में एक चौके और तीन छक्के की मदद से 27 रन बना सके। वहीं, जडेजा और विजय शंकर क्रमशः नौ और दो रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले, पंजाब की शुरुआत खराब हुई। प्रभसिमरन सिंह बिना खाता खोले आउट हो गए। कप्तान श्रेयस अय्यर नौ, मार्कस स्टोइनिस चार, नेहल वढेरा नौ और ग्लेन मैक्सवेल सिर्फ एक रन बना सके। एक छोर पर प्रियांश आर्या डटे हुए थे तो दूसरी तरफ पंजाब के बल्लेबाज आउट होते जा रहे थे। तभी बाएं हाथ के बल्लेबाज प्रियांश को शशांक सिंह का साथ मिला।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं	आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे	किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।	आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।
आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।	नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।	आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।	आज आप पतने के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।
स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।	आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन रहेगा।	आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।	मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

किस तरह कप्तान श्रेयस के साथ चर्चा से प्रियांश आर्या को मिली मदद, बल्लेबाज ने खुद किया खुलासा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रियांश ने मंगलवार को 39 गेंदों पर शतक लगाया। प्रियांश इसके साथ ही आईपीए इतिहास का सबसे तेज शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से चौथे बल्लेबाज बन गए थे। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने बताया है कि किस तरह कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ हुई चर्चा से उन्हें मदद मिली। प्रियांश ने मंगलवार को 39 गेंदों पर शतक लगाया। प्रियांश इसके साथ ही आईपीए इतिहास का सबसे तेज शतक लगाने वाले संयुक्त रूप से चौथे बल्लेबाज बन गए थे। प्रियांश ने इस मामले में सनराइडर्स हैदराबाद के ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड की बराबरी कर ली थी जिन्होंने पिछले सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ इतने ही गेंदों पर शतक लगाया था।पंजाब ने प्रियांश के शतक से सीएसके को 18 रन से हराया था। मुल्लांपुर में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 219 रन बनाए थे। जवाब में सीएसके निर्धारित ओवरों में पांच विकेट खोकर सिर्फ 201 रन ही बना सकी। प्रियांश ने मुश्किल परिस्थितियों से टीम को उबारा और अपने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ा जिससे पंजाब सीएसके के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखने में सफल रहा था। प्रियांश ने कहा, मैं अपनी भावनाओं को व्यक्त नहीं कर पा रहा हूं, लेकिन अंदर से मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। पिछले मैच में श्रेयस अय्यर ने अपनी सहज प्रवृत्ति पर भरोसा करने की बात कही थी। उन्होंने मुझे सुझाव दिया कि मैं जिस तरह से खेलना चाहता हूं, वैसा खेलूं। मैं सोच रहा था कि अगर मुझे पहली गेंद शॉट मारने के लिए मिलती है, तो मैं निश्चित रूप से उस पर छक्का मारूंगा। मैं जितना हो सके अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहता था और खुद को सीमित नहीं करना चाहता। उन्होंने कहा, मैं अपनी इस पारी से खुश हूं, लेकिन मैं टीम के लिए और भी योगदान देना चाहता हूं। मेरे लिए इरादा वही रहेगा। जब मैं श्रेयस भईया से बात करता हूं तो वो कहते हैं कि सिर्फ सकारात्मक इरादे से बल्लेबाजी करो। अगर पहली ही गेंद मेरे स्लॉट में आती है तो वह कहते हैं कि पहली गेंद से प्रहार करो। मैं सीएसके के खिलाफ इसी अंदाज में बल्लेबाजी की। प्रियांश ने कहा, मैं हमेशा परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करता हूं। जब नेहाल वढेरा आए तो मैंने उनके साथ चर्चा की। मैंने उनसे पूछा था कि धीमी बल्लेबाजी करूं या नहीं। लेकिन उन्होंने कहा कि तुम जैसा खेलते हो वैसा ही खेलो और मैं लगातार बड़े शॉट खेलता गया।

सम्पादकीय

तो क्या अब सुप्रीम कोर्ट से दो-दो हाथ के मूड में हैं ममता

वर्ष 2016 में 25 हजार से शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती के लिए स्कूल सेवा आयोग ने परीक्षा का आयोजन किया था, लेकिन कुछ दिनों बाद ही उसमें भ्रष्टाचार औ? घोटाले के आरोप लगने लगे। चयन से वंचित रहे कई उम्मीदवारों ने मेरिट लिस्ट के खिलाप हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। क्या पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अब शिक्षकों की नौकरी के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट से भी दो-दो हाथ करने के

मूड में हैं। बीते सप्ताह शीर्ष अदालत के फैसले पर करीब 26 हजार शिक्षकों की नौकरियां चली गई हैं। अदालत ने वर्ष 2016 की पूरी भर्ती प्रक्रिया को ही रद्द कर दिया है। लेकिन सोमवार को कोलकाता में नौकरी गंवाने वाले शिक्षकों से मुलाकात के दौरान ममता ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए कहा कि किसी भी योग्य व्यक्ति की नौकरी नहीं जाएगी। वे अपने जीते-जी ऐसा नहीं होने देंगी। इसके साथ ही उन्होंने इस पूरे मामले को राज्य की शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने की साजिश भी करार दिया। दरअसल, वर्ष 2016 में 25 हजार से शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती के लिए स्कूल सेवा आयोग ने परीक्षा का आयोजन किया था। लेकिन कुछ दिनों बाद ही उसमें भ्रष्टाचार औ? घोटाले के आरोप लगने लगे। चयन से वंचित रहे कई उम्मीदवारों ने मेरिट लिस्ट के खिलाप हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उसके आधार पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने पहले इस कथित घोटाले की जांच के लिए पहले एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया और उसकी रिपोर्ट के आधार पर इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। सीबीआई ने अपनी जांच के दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी समेत स्कूल सेवा आयोग के कई अधिकारियों को गिरफ्तार किया था। उनमें से ज्यादातर अब तक जेल में ही हैं। हाईकोर्ट ने बीते साल इस भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने का फैसला दिया था, लेकिन सरकार, हजारों उम्मीदवारों और स्कूल सेवा आयोग ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। अब साल भर बाद सुप्रीम कोर्ट ने भी वह फैसला बहाल रखा है।फैसले के बाद आज ममता ने कोलकाता में ऐसे हजारों शिक्षकों से मुलाकात की जिनकी नौकरियां चली गई हैं। इस बैठक में ममता ने कहा कि किसी भी योग्य उम्मीदवार की नौकरी नहीं जाएगी। सरकार पहले सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी और वहाम से सकारात्मक जवाब नहीं मिलने पर इन उम्मीदवारों के लिए दो महीने के भीतर वैकल्पिक नौकरियों की व्यवस्था की जाएगी। साथ ही इनमें से किसी की सर्विस भी ब्रेक भी नहीं होगी। लेकिन वह वैकल्पिक व्यवस्था क्या होगी, इसका उन्होंने खुलासा नहीं किया। उनका कहना था कि उनके जीते जी किसी भी योग्य उम्मीदवार की नौकरी नहीं छीनी जा सकती। यह उनके लिए बड़ी चुनौती है। बंगाल की शिक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करने की साजिश चल रही है। मुख्यमंत्री का कहना था कि योग्य उम्मीदवारों की नौकरी की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। हम कानून के दायरे में ही रह कर यह काम करेंगे। उन्होंने अपील की अगर आप नौकरी दे नहीं सकते तो कम से छीनिए तो मत। मुख्यमंत्री का कहना था कि अगर इन शिक्षकों के समर्थन की वजह से उनको जेल जाना पड़ता है तो वो उसके लिए भी तैयार हैं। ममता बनर्जी के इस बयान को सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सीधी चुनौती माना जा रहा है। हालांकि ममता का कहना था कि उनको किसी जज से कोई शिकायत नहीं है, लेकिन इस फैसले से उनका कलेजा पत्थर का हो गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि ममता का यह रवैया कोई नया नहीं है। वो पहले भी कई अदालती फैसले के खिलाफ अक्सर ऐसे ही आक्रामक तेवर अपनाती रही हैं, लेकिन फिलहाल इस मामले में कई सवाल उठ रहे हैं। पहला सवाल यह है कि योग्य और अयोग्य उम्मीदवारों की पहचान कैसे की जाएगी? उसके अलावा यह भी दो महीने के भीतर हजारों लोगों के लिए वैकल्पिक नौकरी का इंतजाम कैसे किया जाएगा? राजनीतिक विश्लेषक शिखा चक्रवर्ती मानती हैं कि शायद इस आक्रामक बयान के जरिए ममता केंद्र सरकार और भाजपा पर दबाव बनाना चाहती हैं। सरकार इस मामले में लगातार कानूनी सलाह भी ले रही है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर अमल नहीं करने का क्या नतीजा होगा इस सवाल पर फिलहाल कोई कुछ कहने को तैयार नहीं है।

जब तक घर न पहुंच जाएं, सोना अच्छा नहीं; सकारात्मक विचार रखें

जीवन के अरण्य में डूबे हुए पुरुष पर प्रकृति के मौन व्याख्यानों के प्रयास से, सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह, जब आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है, तभी मनुष्य सही अर्थों में अपने घर पहुंचता है। विद्या, कला, कविता, साहित्य, धन और राजस्व से भी आचरण की सभ्यता अधिक ज्योतिष्मती है। आचरण की सभ्यता को प्राप्त करके एक कंगाल व्यक्ति भी राजाओं के हृदयों पर अपना प्रभुत्व जमा सकता है। इस सभ्यता के दर्शन से कला, साहित्य और संगीत को अद्भुत सिद्धि प्राप्त होती है। राग अधिक मृदु हो जाता है; विद्या का तीसरा शिव-नेत्र खुल जाता है; चित्रकला का मौन राग अलापने लगता है; वक्ता चुप हो जाता है; लेखक की लेखनी थम जाती है; मूर्तिकार के सामने नए कपोल, नए नयन और नई छवि का दृश्य उपस्थित हो जाता है।आचरण की सभ्यतामयी भाषा सदा मौन रहती है। इस भाषा का शब्दकोश शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है। इसमें नाममात्र के लिए शब्द नहीं हैं। यह सभ्य आचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुरों में समाया है। मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से प्रकट होती है। नम्रता, दया, प्रेम और उदारता-ये सभी सभ्य आचरण की भाषा के मौन व्याख्यान हैं। मनुष्य के जीवन पर मौन व्याख्यान का प्रभाव चिरस्थायी होता है और उसकी आत्मा का एक अंग बन जाता है।विशाल आत्मा के आचरण से मौन रूपिणी सुगंध सदा प्रसारित होती रहती है। इसकी उपस्थिति से मन और हृदय की ऋतु बदल जाती है। मौन रूपी व्याख्यान की महत्ता इतनी बलवती, इतनी अर्थपूर्ण और इतनी प्रभावशाली होती है कि उसके सामने मातृभाषा, साहित्यिक भाषा और अन्य देशों की भाषाएं सब तुच्छ प्रतीत होती हैं। कोई अन्य भाषा दिव्य नहीं है; केवल आचरण की मौन भाषा ही ईश्वरीय है। विचार करके देखें, मौन व्याख्यान किस तरह आपके हृदय की नाड़ी-नाड़ी में सुंदरता को पिरो देता है। वह व्याख्यान ही क्या, जिसने हृदय की धुन को-मन के लक्ष्य को-बदल न दिया। प्रेम की भाषा शब्दरहित है। नेत्रों की, कपोलों की, मस्तक की भाषा भी शब्दरहित है। जीवन का तत्व भी शब्दों से परे है। सच्चा आचरण-प्रभाव, शील, अचल-स्थित संयुक्त आचरण-न तो साहित्य के लंबे व्याख्यानों से गढ़ा जा सकता है, न वेदों की श्रुतियों के मधुर उपदेशों से, न इंजील से, न कुरान से, न धर्मचर्चा से, न केवल सत्संग से। जीवन के अरण्य में डूबे हुए पुरुष पर प्रकृति और मनुष्य के जीवन के मौन व्याख्यानों के प्रयास से, सुनार के छोटे हथौड़े की मंद-मंद चोटों की तरह, आचरण का रूप प्रत्यक्ष होता है। आचरण की सभ्यता जब संसार में आती है, तब नीले आकाश से मनुष्य को वेद-ध्वनि सुनाई देती है। नर-नारी पुष्पवत खिलते जाते हैं, प्रभात हो जाता है, प्रभात का गजर बज उठता है।

हिंदू ग्राम’ से ‘हिंदू राष्ट्र’ तक की उड़ान में गुंथी सवालों की डोर

मप्र के छतरपुर जिले के गढ़ा ग्राम स्थित बागेश्वर धाम के स्वयंभू पीठाधीश पं.धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने अपने इलाके में 'पहला हिंदू ग्राम' बसाने का एलान कर नई बहस को हवा दे दी है। मप्र के छतरपुर जिले के गढ़ा ग्राम स्थित बागेश्वर धाम के स्वयंभू पीठाधीश पं.धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने अपने इलाके में 'पहला हिंदू ग्राम' बसाने का एलान कर नई बहस को हवा दे दी है। 29 वर्षीय संत बागेश्वर धाम खुद को कट्टर हिंदू के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं और पिछले माह उनके बागेश्वर धाम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र

ही हैं। बाबा की यही फैन फालोइंग राजनेताओं के लिए पॉलिटिकल मटेरियल भी है। लेकिन बाबा सीधे तौर पर किसी पार्टी या संगठन में नहीं हैं। बहुतों का मानना है कि बाबा में दिव्य शक्ति हो न हो, लेकिन उनका सार्वजनिक आचरण, अभिव्यक्ति और कार्यशैली ऐसी है, जो हिंदुत्ववादियों के अनुकूल है। कई बार तो ऐसा लगता है कि उन्होंने भाजपा की अघोषित फ्रेंचाइजी ले रखी है। वे भारत को कट्टर हिंदू राष्ट्र बनाने और सभी हिंदुओं को एक होने के साथ साथ जात-पात मिटाने जैसी प्रगतिशील बात भी

समरसता वाले हिंदू राष्ट्र की कल्पना से अलग है। दूसरे, भारत जैसे बहुसांस्कृतिक, बहुभाषी और बहुजातीय देश में क्या सचमुच कोई ठेठ हिंदू ग्राम, जिला या राष्ट्र व्यावहारिक रूप से संभव है? क्योंकि ऐसा देश शुद्ध देसी घी की तरह भारत तो क्या, पाकिस्तान और सऊदी अरब तक नहीं बन सका है, वो भी अपने यहां से सभी गैर सुन्नी और गैर मुसलमानों को भी बेदखल नहीं कर पाए हैं। जहां तक बाबा बागेश्वर का इसके पहले हिंदू ग्राम होने का दावा है तो सही इसलिए नहीं है, क्योंकि गुजरात

अगले पांच सालों में हिंदू राष्ट्र बन जाएगा। गांव में हजरत पीर का कोठा (दरगाह) भी है, जिस पर हिंदू भी मन्नत मानते हैं। ऐसे में गांव को हिंदू राष्ट्र लिखने का क्या मतलब है? इस सवाल का जवाब मिलता है कि हमे हिंदू होने पर गर्व है, इसलिए। ऐसा ही एक और गांव है पालडी। इस पर भी हिंदू राष्ट्र का बोर्ड लगा है। यहां सभी हिंदू ही रहते हैं। वैसे बाबा का जो प्लान है, उसमें जमीन ही सनातनी हिंदुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। मकान हिंदुओं को अपने खर्चे से बनाना होगा। हिंदू धर्म की रक्षा के

सही भी है। अगर कुछ बस्तियों, नगरों, जिलों, प्रांतो के नाम हिंदू होने से देश हिंदू राष्ट्र बन सके तो हिंदू राष्ट्र बनाने का इससे किफायती तरीका दूसरा हो नहीं सकता। वैसे बाबा ने यह भी कहा है कि इस हिंदू ग्राम में सनातनी और वैदिक धर्म को मानने वाले हिंदू ही रह सकेंगे। मुमकिन है आगे चलकर इस पर भी विवाद हो कि गैर सनातनी हिंदू जैसे कि आर्य समाजी, कबीरपंथी, ब्रह्म समाजी, राधास्वामी सत्संग, रविदासी पंथी आदि भी हिंदू ग्राम में रहना चाहें तो क्या उन्हें इजाजत मिलेगी?वैसे

में धर्म के आधार पर किसी
, नगर, प्रांत और देश का
ण अपवाद स्वरूप ही हुआ
र शहर की बात करें तो
में शायद दो ही उदाहरण
एक था 'इस्लाम नगर', जो
रियासत की पुरानी
ी था और अब एक खंडहर
ा है इस्लामाबाद, जिसे
के नाम पर ही बसाया गया
स देश पाकिस्तान की वह
ी है, उस का आज क्या
सबको पता है। और तो
न स्थानों पर किसी विशिष्ट
लों को ही रहने या प्रवेश
ाजत है, उनके नाम भी
त धर्म के नाम पर नहीं
लन मुसलमानों का सबसे
थल मक्का में गैर मुसलमानों
पूरी तरह वर्जित है, लेकिन
नामकरण इस्लाम पर नहीं
तरह कैथोलिक ईसाइयों

के सबसे पावन शहर 'वेटिकन सिटी' में गैर कैथोलिको को रहने की अनुमति नहीं है। बावजूद इसके इस शहर का नाम किसी ने ईसा या क्रिश्चियन सिटी नहीं रखा। सिखों की पवित्र नगरी अमृतसर का नाम भी सिख नगर नहीं है। क्योंकि धर्म के आधार पर नाम रखने से उस धर्म की परंपराओं, दर्शन और कर्मकांडों का शास्त्रोक्त पालन हो, यह जरूरी नहीं है। अगर ऐसा नहीं होता और वह व्यावहारिक रूप से संभव होता भी नहीं है तो उस धर्म की पवित्रता पर ही प्रश्नचिन्ह लगने लगता है, जोकि सही नहीं है। रहा सवाल बाबा की राजनीतिक उपयोगिता का तो बाबा के प्रभाव की असली सियासी टेस्टिंग बिहार चुनाव में होनी है। बाबा को वहां धुर हिंदू मुस्लिम ध्रुवीकरण के काम में लगाया गया है। घोर जातिवाद से ग्रस्त बिहार में अगर वहां भाजपा अपने दम पर सरकार बनाने में कामयाब रही तो बाबा का सियासी ग्राफ भी ऊपर जाएगा। वो मप्र के 'योगी आदित्यनाथ' भी हो सकते हैं। लेकिन नतीजा कुछ और आया तो बाबा की हिंदू राष्ट्र की उड़ान बागेश्वर के हिंदू ग्राम तक भी सिमट सकती है। यूं बाबा बागेश्वर की इस 'हिंदू ग्राम' की घोषणा से सियासी घमासान भी शुरू हो गया है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने बाबा की योजना का दिल खोलकर स्वागत किया है तो मप्र कांग्रेस प्रवक्ता हाफिज अब्बास ने सवाल किया कि अगर कल को मुसलमान भी अलग 'मुस्लिम ग्राम' बनाने की इजाजत मांगेंगे तो क्या सरकार देगी? कल को संविधान के 'सर्व धर्म समभाव' के आधारभूत सिद्धांत के आधार पर हर धर्मावलंबी अपने धर्मों के हिसाब से अलग शहर बसाने लगेंगे तो फिर हिंदू राष्ट्र का क्या होगा? और अगर सरकार बाबा बागेश्वर जैसे लोगों को ही शहर बसाने की अनुमति देती है तो 'सबका साथ' का क्या होगा? यूं अभी भी धर्म विशेष, सम्प्रदाय बहुल तथा एक ही समुदाय की कुछ कॉलोनियां अस्तित्व में हैं। लेकिन उनका नामकरण अक्सर उनके आराध्यों, महापुरूषों अथवा क्षेत्रीय या जातीय पहचान के आधार पर ही होता है। केवल गांव का नाम हिंदू कर देने से हिंदू राष्ट्र कैसे बन जाएगा, यह समझना मुश्किल है। हिंदू समाज भी तभी एकजुट होगा, जब वह जातीय विद्वेष और ऊंच नीच के दुराग्रह से मुक्त होगा। इसके लिए हिंदू बस्ती से ज्यादा बड़े दिल की जरूरत है।

बढ़ेंगे राहुल गांधी

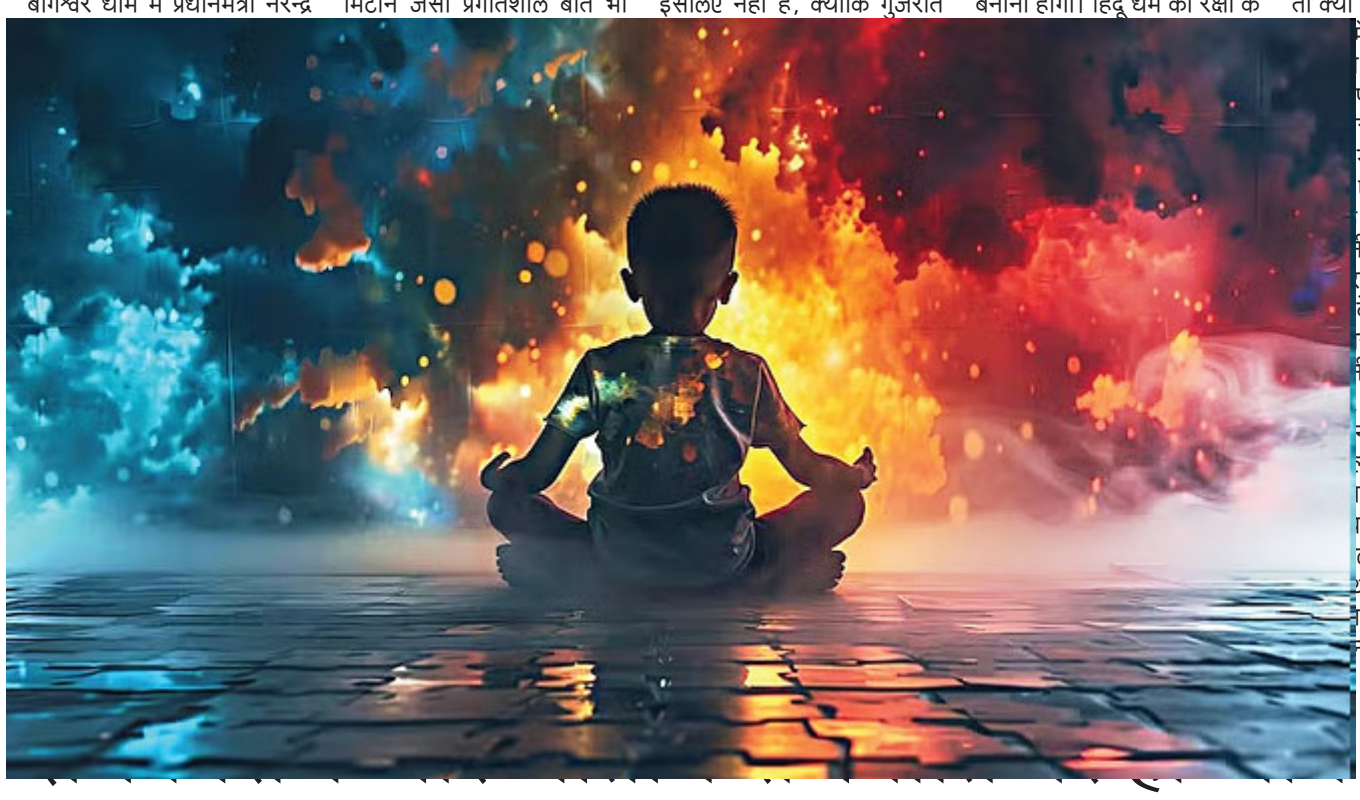

कांग्रेस की कोशिश गुजरात की धरती से भारतीय जनता पार्टी, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देने की है। वो इसमें कितना सफल हो पाएंगे, यह तो

आगामी चुनावों के नतीजों में पता चलेगा। पिछले महीने राहुल गांधी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में थे, तब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया था। यह और बात है कि अहमदाबाद में ही कांग्रेस पार्टी ने अपना अधिवेशन कर लिया। गुजरात कांग्रेस के सभी नेता अपने केंद्रीय दल के वरिष्ठों की सेवा करते नजर आए। कांग्रेस की कोशिश गुजरात की धरती से भारतीय जनता पार्टी, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देने की है। वो इसमें कितना सफल हो पाएंगे, यह तो आगामी चुनावों के नतीजों में पता चलेगा। हालांकि, किसी नई रणनीति के बजाय कांग्रेस का पहिया एकबार फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जातीय राजनीति के इर्द-गिर्द ही घूमता नजर आ रहा है। पार्टी की निर्भरता पहले की भांति गांधी परिवार पर ही बनी हुई है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जब कांग्रेस पार्टी को देश में 99 सीटें मिली थीं, तब पार्टी नेताओं ने जमकर जश्न मनाया था। 99 सीटों पर जीत का सेहरा राहुल गांधी के सिर पर बांधा गया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद 99 सीटें जीतने का जोश कांग्रेस पार्टी में अब तक बना हुआ है। लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी एंग्री यंग नेता की भूमिका में बने हुए हैं। पार्टी भी उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले में खड़ा करने का कोई अवसर नहीं छोड़ पा रही है। सड़क से लेकर संसद तक राहुल गांधी की एक अलग छवि गढ़ी जा रही है। वैसे, अहमदाबाद में कांग्रेस के अधिवेशन में राहुल गांधी के दिए भाषण से एक बात तो स्पष्ट हो गई है कि वो जातीय राजनीति के मैदान में पार्टी को पूरी तरह उतारने के लिए आतुर हैं। राहुल गांधी ने अधिवेशन में दिए अपने भाषण में कहा कि कांग्रेस दलित, मुस्लिम व ब्राह्मण को साधती रही और अति पिछड़ा जातियां (ओबीसी) हमसे दूर चली गईं। यह और बात है कि एक समय कांग्रेस का नारा था कि न जात पर-न पात पर, इंदिरा जी की बात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। ओबीसी को आरक्षण की सिफारिश करने वाले मंडल कमीशन के विरोध में सबसे बड़ा भाषण राहुल गांधी के पिता स्वर्गीय राजीव गांधी ने संसद में दिया था। शायद ओबीसी तभी से कांग्रेस से नाखुश है। ब्राह्मण भी राम मंदिर आंदोलन के बाद भाजपा के साथ जुड़ते चले गए। दलितों का बड़ा वर्ग अब भी कांग्रेस के साथ है। हालांकि, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में बहुजन समाज पार्टी के उदय के साथ दलित शिफ्ट हुए हैं। जहां-जहां क्षेत्रीय दल जैसे समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सत्ता में आए, वहां मुस्लिम कांग्रेस से छिंटक गया। हालांकि, मुस्लिमों को दोबारा अपने फोल्ड में लाने की कांग्रेस की कोशिशें तेज हो चली हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि मुस्लिम हितों को लेकर वो पीछे नहीं हटेंगे। यह और बात है कि यह कोशिशें उसके सहयोगी दलों को रास नहीं आ रही हैं। राहुल गांधी का जोर भले मुस्लिम हितों पर अडिग रहने का है, लेकिन इसे लेकर कई बार उनकी पार्टी के नेता भी असहज नजर आते हैं। पार्टी के मुस्लिम हित ने हिंदुओं के बड़े वर्ग को भाजपा की ओर शिफ्ट किया है। अनुच्छेद 370, नागरिकता संशोधन कानून और अब वक्फ संशोधन कानून पर कांग्रेस का रुख देश के बहुसंख्यकों को रास नहीं आया है। पिछले दिनों संपन्न प्रयागराज महाकुंभ और सद्गुरु के कार्यक्रम में शामिल होने पर जिस तरह से कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की पार्टी के अंदर से आलोचना हुई, उसने भी कांग्रेस को लेकर बहुसंख्यकों को निराश किया। अहमदाबाद अधिवेशन में कांग्रेस ने एक बार फिर सरदार वल्लभभाई पटेल के बहाने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला बोला है। पार्टी ने अपने अधिवेशन को सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर बने मेमोरियल में रखा। पार्टी ने यह भी याद दिलाया कि कैसे सरदार वल्लभभाई पटेल ने संघ पर प्रतिबंध लगाया था? पार्टी ने इस मेमोरियल में अपने अधिवेशन को विशेष भी बताया। यह और बात है कि गुजरात में ही बने स्टैचू ऑफ यूनिटी को देखने आज तक राहुल गांधी नहीं गए हैं। कांग्रेस के नेता स्टैचू ऑफ यूनिटी पर जाने से परहेज करते हैं, क्योंकि इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनवाया है। सरदार पटेल की विरासत को अपने हाथों से जाता देख कांग्रेस परेशान भी है। पार्टी को अब सरदार पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच संबंधों को बताना पड़ रहा है। कहीं न कहीं पार्टी भाजपा के ट्रैप में फंसती नजर आती है। गुजरात में पिछले तीन दशक से कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर है। विगत् विधानसभा चुनाव में तो उसका अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को बहुत अधिक सफलता गुजरात में नहीं मिली, लेकिन राहुल गांधी को शायद लग रहा है कि गुजरात के रास्ते वह देश की सत्ता को पुनः हासिल कर सकते हैं।गुजरात संघ परिवार की प्रयोगशाला माना जाता है। जहां नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पिछले कुछ सालों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। शायद राहुल गांधी गुजरात में आकर नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देकर अपने इंडी गठबंधन के सहयोगियों को बताना चाहते हैं कि वो गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में हैं। वर्ष 2029 के चुनाव में अभी चार साल से अधिक का समय है। वर्ष 2024 के नतीजों को लेकर कांग्रेस का उत्साह अभी भी कायम है। पार्टी को लग रहा है कि 2029 उनके लिए बेहतर अवसर हो सकता है और इसी की तैयारी गुजरात से राहुल गांधी ने शुरू की है। अब देखना यह होगा कि राहुल गांधी के यह प्रयास कितने सफल होते हैं। संघ विरोध और जातीय राजनीति कांग्रेस को कितनी चुनावी सफलता दिला पाती है।

राम कथा में धूम धाम से मनाया गया राम जन्मोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा सेक्टर 82 स्थित पॉकेट 7 में आयोजित श्रीराम कथा के तीसरे दिन कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज ने नारद मोह, जय विजय श्राप एवं राम जन्म की भावपूर्ण कथा सुनाई। नारद जी भगवान की तपस्या में रत हैं ऐसे में कामदेव उनकी तपस्या भंग करने का प्रयास करता है लेकिन तपस्या भंग नहीं कर पाता है। नारद को अभिमान हो जाता है और वह इस बात को ब्रम्हा जी, शिव जी और विष्णु भगवान को बताते हैं। भगवान विष्णु अपनी माया से उनका अहंकार नष्ट कर देते हैं। कथा व्यास ने राम जन्म का रोचक प्रसंग सुनाया। राजा दशरथ के कोई संतान नहीं है इससे चिंतित हो जाते हैं। गुरु से परामर्श के बाद श्रृंगी ऋषि पुत्रेष्टि यज्ञ कराते हैं जिसमे अग्निदेव खीर लेकर प्रकट होते हैं। उस खीर को तीनों रानियों में बांट दिया जाता है। समय आने पर महारानी कौशल्या के गर्भ से राम, सुमित्रा से लक्ष्मण और शत्रुघ्न और कैकई से भरत का जन्म होता है। अयोध्या में खुशिओं की लहर दौड़ जाती है। राजा दशरथ दोनों हाथों से राज्य के लोगों को दान देते हैं। कथा स्थल पर श्रद्धालुओं ने धूमधाम के साथ राम जन्म मनाया साथ ही संगीत की मधुर ध्वनि पर जमकर नृत्य किया। इस अवसर पर आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 9 अप्रैल को बाल लीला,विश्वामित्र यज्ञ रक्षा, अहिल्या उद्धार आदि प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। इस अवसर पर देवमणि शुक्ल, रवि राघव , गोरे लाल, संजय पांडेय, हरि सिंह, रमेश चंद्र शर्मा, रमेश दास, बहादुर चौहान, हंसमणि शुक्ल, विष्णु शर्मा, रविंद्र कुमार ,विश्वनाथ त्रिपाठी, गौरव, संजय शुक्ल, पप्पू सिंह, देवेंद्र गुप्त, उमाकांत त्रिपाठी, रमेश वर्मा , विकाश शर्मा , रमेश गुप्ता, वी के मिश्रा, सर्वेश कुमार तिवारी, संगम प्रसाद मिश्र, सिया राम, प्रकाश जोशी, राकेश कुमार, राजवीर सिंह, राकेश कुमार शर्मा, वीरेंद्र कुमार, अनिल कुमार चौधरी, गिरिराज जी , अनिल कुमार शर्मा, अंकित सिंह, दीपक मेहरा सहित तमाम सेक्टरवासी भक्त मौजूद रहे।

युवाओं की ऊर्जा और महिलाओं की भागीदारी से बनेगा नया भारतः कलराज मिश्र

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा । सेक्टर 51 में युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह और 'सखा - एक पहल की संस्थापक विभा चुघ ने राजस्थान के पूर्व राज्यपाल माननीय श्री कलराज मिश्र से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर नोएडा में सरकारी योजनाओं को उनके वास्तविक हकदारों तक पहुंचाने, युवाओं को सामाजिक कार्यों में प्रेरित करने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने जैसे अहम विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। माननीय कलराज मिश्र ने दोनों संगठनों की सराहना करते हुए कहा कि मुझे यह देखकर खुशी होती है

कि आज की युवा पीढ़ी समाज के लिए सोच रही है और महिलाएं भी नेतृत्व की भूमिका निभा रही हैं। 'युवा क्रांति सेना' और 'सखा - एक पहल' जैसे संगठन भारत के सामाजिक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं। यदि इन प्रयासों को प्रशासनिक सहयोग मिले, तो यह न केवल जागरूकता बढ़ाएंगे बल्कि योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुँचाना भी संभव होगा। नोएडा जैसे शहरी क्षेत्रों में इन संस्थाओं के माध्यम से 'सामाजिक सहायता केंद्र' स्थापित किए जाने चाहिए, जो जनता और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करें।इस अवसर पर डायमंड पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित और सारा वर्मा द्वारा विभा चुघ पर लिखित पुस्तक ठग्यारह कदम एक साथठ और 'सखा - एक पहल' से जुड़ी महिलाओं द्वारा बनाए गए क्रोशिया से हस्तनिर्मित कोस्टर भी कलराज मिश्र को भेंट किए गए। अविनाश सिंह और विभा चुघ ने कहा कि हम एक ऐसे भारत की कल्पना करते हैं जहाँ हर युवा बदलाव का वाहक बने और हर महिला आत्मनिर्भरता की मिसाल।आने वाले समय में हम नोएडा और आस-पास के क्षेत्रों में ऐसे मॉडल विकसित करेंगे, जहाँ योजनाएं कागजों से निकलकर ज़मीन तक पहुँचें और हर हाथ को अवसर मिले – सम्मान के साथ, सहभागिता के साथ।

अब घर के कूड़े पर उबलेगी दिल्ली की सियासत, शुल्क वसूलने पर भाजपा और आप आमने-सामने

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। नगर निगम की ओर से घरों से कूड़ा उठाने के बदले यूजर चार्ज वसूलने के मामले में राजधानी में सियासत गरमा गई है। आप और भाजपा आमने-सामने हैं। आप ने इस मामले पर सड़कों पर उतरने की बात की है। मंगलवार को आप ने निगमायुक्त से चार्ज लागू करने

की अधिसूचना को तत्काल वापस लेने की मांग की, जबकि भाजपा पार्षदों ने मेयर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर यूजर चार्ज का विरोध किया। दोनों ही दल एक-दूसरे पर जनता पर बोझ डालने और भ्रम फैलाने के आरोप लगा रहे हैं। आप का आरोप है कि भाजपा सरकार बिजली-पानी और स्कूलों के नाम पर पहले ही जनता को परेशान कर रही है, अब एमसीडी के जरिये नया टैक्स थोप रही है। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह के नेतृत्व में पार्षदों ने मेयर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

है। आप और भाजपा आमने-सामने हैं। आप ने इस मामले पर सड़कों पर उतरने की बात की है। दिल्ली में अब घर का कूड़ा सियासत का सामान बन गया है। नगर निगम की ओर से घरों से कूड़ा उठाने के बदले यूजर चार्ज वसूलने के मामले में राजधानी में सियासत गरमा

रेलवे ने कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड पर मांगी राय, ड्यूटी के दौरान पहननी पड़ती है अलग-अलग वर्दी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने एकीकृत वाणिज्यिक एवं टिकटिंग कर्मचारियों के लिए एक समान ड्रेस कोड या

वर्दी भत्ते में वृद्धि की मांग पर विचार भेजने को कहा है, क्योंकि उन्हें अपनी ड्यूटी के दौरान तीन अलग-अलग वर्दियां पहननी पड़ती हैं। एनएफआईआर ने यह मांग की है, जिसे बोर्ड ने गंभीरता से लिया है। रेलवे बोर्ड ने एकीकृत वाणिज्यिक एवं टिकटिंग कर्मचारियों की एक समान ड्रेस कोड या वर्दी भत्ते को बढ़ाने की मांग पर अपने विचार साझा करने को कहा। दरअसल, इन कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी निभाने के दौरान तीन अलग-अलग वर्दियां पहननी पड़ती हैं। बोर्ड ने फरवरी 2018 में चरणबद्ध तरीके से टिकट चेकर (टीसी), वाणिज्यिक क्लर्क (सीसी) और पूछताछ-सह-आरक्षण क्लर्क (ईसीआरसी) के पदों का विलय कर एकीकृत वाणिज्यिक और टिकटिंग कर्मचारी श्रेणी बनाई थी। इस एकीकृत श्रेणी में शामिल कर्मचारियों को तीन अलग-अलग ड्यूटी निभानी होती हैं। भारतीय रेलवे राष्ट्रीय कर्मचारी संघ (एएफआईआर) ने एक समान ड्रेस कोड या वर्दी भत्ते को बढ़ाने की मांग की थी। इस मांग के बाद रेलवे बोर्ड ने सात अप्रैल को सभी जोन को एक पत्र भेजा, जिसमें उन्हें इस मुद्दे पर अपने विचार भेजने को कहा गया। पत्र में एनएफआईआर की मांग की दोहराते हुए बोर्ड ने कहा, क्षेत्र से मिलीं सभी रिपोर्ट से पता चलता है कि जिन कर्मचारियों को एकीकृत श्रेणी में शामिल किया गया है, उन्हें प्रशासनिक जरूरतों के अनुसार बुकिंग, आरक्षण और टिकट चेकिंग जैसी अलग-अलग ड्यूटी करनी होती है। पत्र में यह भी बताया गया कि मौजूदा निर्देशों के अनुसार इन कर्मचारियो को अपनी अलग-अलग ड्यूटी के दौरा तीन अलग-अलग प्रकार की वर्दी पहननी होती है। बोर्ड ने कहा, रिपोर्ट में यह भी पता चला है कि सामान्य कर्मचारियों और खासतौर पर महिला कर्मचारियों को अलग-अलग प्रकार की वर्दी पहनने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा हैएनएफआईआर के अनुसार, कर्चमारियों ने टीसी/सीसी (संयुक्त श्रेणी) के लिए ड्रेस कोड में बदलाव की मांग कही है। बोर्ड ने इस पत्र में यह भी जिक्र किया कि एनएफआईआर का मानना है कि कर्मचारियो की यह मांग उचित है और इस पर सकारात्मक तरीके से विचार किया जाना चाहिए। बोर्ड ने कहा, एनएफआईआर का कहना है कि कर्मचारियों की मांग सही है और इसे उचित तरीके से स्वीकार किया जाना चाहिए। इसलिए एनएफआईआर ने यह मांग की है कि या तो टीसी/सीसी के ड्रेस कोड में बदलाव किया जाए या कर्मचारियो के वर्दी भत्ते को बढ़ाकर उनकी जरूरतों के अनुसार संसोधित किया जाए।

डीडीए की जमीन पर अब अतिक्रमण हुआ तो नपेंगे अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।उपराज्यपाल ने निर्देश दिया कि भविष्य में यदि डीडीए की जमीन पर नए या दोबारा अतिक्रमण की कोई घटना होती है तो संबंधित अधिकारियों, इंजीनियरों का सामान्य निलंबन या जांच के अलावा आपराधिक आरोपों के तहत एफआईआर दर्ज होगी। डीडीए की जमीन पर अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहे अतिक्रमण पर लगाम लगाने के लिए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने बड़ा फैसला लिया है। अब ऐसे मामलों में अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज होगी।उन्होंने मयूर विहार फेज-1 से एनएच-24 तक पुस्ता रोड के पास डीडीए की जमीन पर दोबारा हुए अतिक्रमण मामले में फील्ड स्टाफ को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया। निलंबित किए गए कर्मचारियों में मयूर नेचर पार्क प्रोजेक्ट के लिए जिम्मेदार सहायक अभियंता और कनिष्ठ अभियंता भी शामिल हैं।उपराज्यपाल ने निर्देश दिया कि भविष्य में यदि डीडीए की जमीन पर नए या दोबारा अतिक्रमण की कोई घटना होती है तो संबंधित अधिकारियों, इंजीनियरों का सामान्य निलंबन या जांच के अलावा आपराधिक आरोपों के तहत एफआईआर दर्ज होगी।वहीं, मयूर विहार फेज-1 मामले में आरोपी की जवाबदेही सुनिश्चित करने और अनुशासनात्मक कार्रवाई को सुविधाजनक बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू की गई है। इसके अलावा मामले में डीडीए कर्मियों और बाहरी लोगों की मिलीभगत व संभावित आपराधिक साजिश का पता लगाने के लिए जांच की जाएगी। जांच में आरोपी पाए जाने वालों पर उचित कार्रवाई होगी। इस मामले में उपराज्यपाल ने डीडीए के उपाध्यक्ष को सात दिनों के भीतर जांच और कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

महिलाओं को अकेला छोड़ दें, उन्हें बढ़ने दें' महिलाओं की सुरक्षा पर सुप्रीम अदालत चिंतित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। महिलाओं की सुरक्षा पर सुप्रीम अदालत ने चिंता जाहिर की है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि महिलाओं को अकेला

छोड़ दिया जाए। हमें उनके इर्द-गिर्द हेलिकॉप्टर नहीं चाहिए, उन पर निगरानी नहीं रखनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने देश में महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की। शीर्ष अदालत ने कहा कि महिलाओं के संबंध में लोगों की मानसिकता बदलनी होगी। कोर्ट ने लोगों से अपील की कि महिलाओं को अकेला छोड़ दें और उन्हें आगे बढ़ने दें। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने लड़कियों और महिलाओं के लिए देश को सुरक्षित और बेहतर स्थान बनाने की अपील की। पीठ ने कहा, हम बस यही अनुरोध करते हैं कि महिलाओं को अकेला छोड़ दिया जाए। हमें उनके इर्द-गिर्द हेलिकॉप्टर नहीं चाहिए, उन पर निगरानी नहीं रखनी चाहिए, उन पर रोक नहीं लगानी चाहिए। उन्हें बढ़ने दें, यही इस देश की महिलाएं चाहती हैं।पीठ ने कहा कि उसने वास्तविक जीवन में ऐसे मामले देखे हैं, जिनमें खुले में शौच के लिए जाने वाली महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न किया जाता है। जस्टिस नागरत्ना ने कहा, गांव में स्वच्छ भारत अभियान के कारण कुछ विकास हुआ है, लेकिन अभी भी (कई जगहों पर) शौचालय और बाथरूम नहीं हैं। जिन महिलाओं को शौच के लिए जाना होता है, उन्हें शाम तक इंतजार करना पड़ता है। युवा महिलाओं को भी शाम तक शौच के लिए इंतजार करना पड़ता है क्योंकि वे दिन में खुले में नहीं जा सकतीं। हमने ऐसे मामले देखे हैं।पीठ ने कहा कि जोखिम दोगुना है, क्योंकि पहला, महिलाएं पूरे दिन खुद को सहज नहीं कर सकतीं और इससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और दूसरा, क्योंकि वे शाम को बाहर जाती हैं और जाते या लौटते समय उन्हें यौन उत्पीड़न का खतरा रहता है। शीर्ष न्यायालय ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए बहुआयामी जागरूकता अभियान की आवश्यकता पर बल दिया। पीठ वकील आबाद हर्षद पोंडा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मूल्य आधारित शिक्षा और जन जागरूकता पहल के माध्यम से लिंग आधारित हिंसा, विशेषकर यौन उत्पीड़न और दुष्कर्म से संबंधित मुद्दों को उठाने की बात कही गई थी।जस्टिस नागरत्ना ने कहा, चाहे शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र, महिलाओं की कमजोरी ऐसी चीज है जिसे पुरुष कभी नहीं समझ पाएंगे। एक महिला जब सड़क, बस या रेलवे स्टेशन पर कदम रखती है तो उसे जो एहसास होता है, वह अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निरंतर बोझ के साथ-साथ एक अतिरिक्त मानसिक बोझ है जिसे वह घर, काम और समाज में अपनी जिम्मेदारियों के साथ उठाती है। हर नागरिक को सुरक्षित रहना चाहिए लेकिन यह एक अतिरिक्त बोझ है जिसे महिला को उठाना पड़ता है। महिलाओं के लिए हर जगह खतरा है। मानसिकता बदलनी होगी।केंद्र सरकार ने शीर्ष अदालत को बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत नैतिक शिक्षा और लैंगिक संवेदनशीलता से संबंधित विस्तृत पाठ्यक्रम और शैक्षिक मॉड्यूल अभी तक दायर नहीं किए गए हैं। इस पर पीठ ने कहा कि शैक्षणिक वर्ष पहले ही शुरू हो चुका है और मामले को अनिश्चित काल तक टाला नहीं जा सकता। इसके बाद शीर्ष अदालत ने केंद्र को मौजूदा मॉड्यूल और उसके की तरफ से उठाए जाने वाले प्रस्तावित कदमों के बारे में विस्तृत हलफनामा दाखिल करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया और मामले की सुनवाई 6 मई को तय की है।

भीषण गर्मी ने बढ़ाया लोड, दिल्ली में बढ़ी बिजली की डिमांड

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली।देश की राजधानी दिल्ली आसमान से आग बरस रही है। जिसकी वजह से बिजली की खपत बढ़ गई है। बिजली की अधिकतम मांग 5029 मेगावट तक पहुंच गई है।दिल्ली में गर्मी बढ़ने

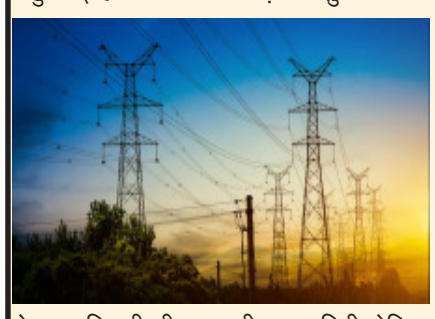

के साथ बिजली की खपत भी बढ़ रही है। दिल्ली में बिजली की अधिकतम मांग 5029 मेगावाट तक पहुंच गई है। जो इस सीजन में अब तक की सबसे अधिक मांग है। बीते मंगलवार को दोपहर 3:30 बजे अधिकतम लोड दर्ज किया गया। इस सीजन में दिल्ली में अधिकतम लोड 9000 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है।डीआईएससीओएम अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। सामान्य से अधिक तापमान और गर्म हवाओं के पूर्वानुमान के बीच, दिल्ली में जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में अधिकतम लोड 9,000 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है।राजधानी के लोगों के लिए अब झुलसाने वाली गर्मी की शुरूआत हो गई है। ऐसे में लोगों को अप्रैल में ही लू के थपेड़े पड़ना शुरू हो गए है। आलम यह रहा कि मंगलवार को सीजन का सबसे अधिक तापमान दर्ज हुआ। इस दौरान तापमान सामान्य से 5.9 डिग्री सेल्सियस अधिक के साथ 41 दर्ज किया गया। इस स्थिति में अप्रैल के महीने में ही इस बार जून जैसे हालात हो गए हैं। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए दिल्ली से सटे लगभग चार जिलों में लू के थपेड़े चलने की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि लोगों को लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ सकता है।

जल्द भारत लाया जाएगा मुंबई आतंकी हमले का आरोपी तहव्वुर राणा; अमेरिका में कागजी कार्रवाई तेज

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। किस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा (64) को फिलहाल लॉस एंजिलिस के एक मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। तहव्वुर राणा 26/11 हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकी डेविड कोलमैन हेडली का करीबी है। मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिका से जल्द ही भारत प्रत्यर्पित किया जा सकता है। भारत से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, भारत से जांच एजेंसियों की टीम अमेरिका पहुंच गई है। टीम अमेरिकी अधिकारियों के साथ सभी कागजी कार्रवाई और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने में जुटी है। सूत्रों के मुताबिक, बहुत अधिक संभावना है कि तहव्वुर राणा जल्द ही प्रत्यर्पित किया जा सकता है। यह भी पता चला है कि राणा बुधवार को भारत नहीं आ रहा है और प्रत्यर्पण प्रक्रिया पर काम चल रहा है। इससे पहले पिछले महीने ही आतंकी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण का रास्ता साफ हो गया था। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने तहव्वुर की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने भारत प्रत्यर्पण के फैसले पर रोक लगाने

की मांग की थी। उसने दलील दी थी कि अगर उसे भारत प्रत्यर्पित कर दिया जाता है तो वहां उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा सकता है।इससे पहले तहव्वुर राणा ने अपने भारत प्रत्यर्पण से बचने के लिए नई चाल चली थी। राणा ने अपने प्रत्यर्पण पर रोक लगाने के लिए अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट में आपातकालीन याचिका दायर की थी। आवेदन में उसने दावा किया था कि वह पाकिस्तानी मूल का मुस्लिम है, इसलिए भारत में उसे प्रताड़ित किया जाएगा, लिहाजा उसके प्रत्यर्पण पर रोक लगाई जाए। राणा ने अपने खराब स्वास्थ्य का भी हवाला दिया था।किस्तानी मूल के कनाडाई नागरिक राणा (64) को फिलहाल लॉस एंजिलिस के एक मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। तहव्वुर राणा 26/11 हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकी डेविड कोलमैन हेडली का करीबी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने पिछले महीने राणा के प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी। अमेरिकी यात्रा पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में बोलते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलान किया था कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

जान बचाने के लिए इधर-उधर दौड़े, कातिलों ने बचने तक का मौका न दिया; ये थी विवाद की वजह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फतेहपुर में चुनावी रंजिश में प्रधान के दो पुत्रों और एक पौत्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। खेत जाते समय घात लगाकर हमलावरों ने गोलियां बरसाईं। प्रधान की बहू ने पूर्व प्रधान समेत छह के खिलाफ हत्या की

रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।फतेहपुर के अखरी गांव में हुए तिहरे हत्याकांड में कातिलों ने न तो किसी को भागने का मौका दिया और न ही बचने का। पुलिया के दोनों ओर तीनों शव मिले हैं। हृदयविदारक घटना का मंजर पुलिया पर पड़े शवों को देखने से ही समझा जा सकता है। पुलिस को पुलिया के पास तीनों शव त्रिकोणीय अवस्था में मिले हैं। नलकूप के पास की पुलिया पर एकांत जगह का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया गया। प्रधान रामदुलारी का घर गांव के बाहरी छोर पर बना है। गांव से पूरब की ओर डामर रोड और खेत हैं। करीब एक किलोमीटर पर पुलिया बनी है। पुलिया के बगल में रमेश का नलकूप है। पुलिस को अनूप का शव पुलिया की खंती में मिला।पुलिस को मौका मुआयना से पता चला कि अनूप ने जान बचाने के लिए पुलिया में घुसने की कोशिश की थी। उसका शव पुलिया की दीवार से सटा मिला था। उसे गोली पुलिया की बाउंड्री पर खड़े होकर मारी गई। गोली उसकी बाई कनपटी में सिर के पार हो गई। पुलिया के बाईं ओर भाकियू नेता पप्पू सिंह का शव मिला। उसे गोली कमर के नीचे मारी गई। उसे दो से तीन गोलियां लगना माना जा रहा है। बाई ओर ही चार से पांच मीटर पहले पप्पू सिंह के बेटे अभय का शव पड़ा मिला। उसके सीने में गोली लगी थी। घटना के बाद मौके पर पहुंची फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। ग्रामीणों में चर्चा रही कि मंगलवार सुबह विनोद उर्फ पप्पू बाइक से गांव घूमने के लिए घर के दरवाजे पर खड़े थे। तभी पूर्व प्रधान सुरेश का बेटा पीयूष ट्रैक्टर लेकर घर के सामने से गुजरा। ग्रामीणों के अनुसार, पीयूष ने दरवाजे पर खड़े विनोद को घूरते हुए कुछ टिप्पणी की और आगे बढ़ गया। यह बात विनोद को नागवार गुजरी। उन्होंने बाइक से ट्रैक्टर का पीछा किया। इसके बाद पुलिया के पास दोनों का विवाद होने लगा। तभी पूर्व प्रधान मुन्नू अपने साथियों के साथ पहुंचा और वारदात को अंजाम दे दिया। वहीं, कुछ लोगों में ट्रैक्टर को ओवरटेक करने को लेकर भी विवाद की शुरुआत होने की चर्चा रही। पुलिस ने अनूप की पत्नी मनीषा की तहरीर पर पूर्व प्रधान व उसके पुत्र पीयूष, भूपेंद्र, सज्जन, विवेक, जान उर्फ विपुल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। तीन आरोपी गिरफ्तार किए हैं। यूपी के फतेहपुर जिले में तिहरे हत्याकांड से सनसनी फैल गई। हथगाम थाना क्षेत्र के अखरी गांव में यह वारदात मंगलवार को हुई। ग्राम प्रधान के दो बेटों और पौत्र की मंगलवार सुबह खेत जाते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या प्रधानी चुनाव की रंजिश में हुई है। आरोप है कि पूर्व प्रधान ने अपने बेटे और अन्य साथियों के साथ घात लगाकर वारदात को अंजाम दिया। मृतकों में एक भाकियू टिकैत गुट का जिला उपाध्यक्ष था। परिजन की तहरीर पर पुलिस ने पूर्व प्रधान सुरेश सिंह उर्फ मुन्न समेत छह के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

'हम पूरी तरह तैयार हैं', ट्रंप के 104% जवाबी टैरिफ पर चीन का पलटवार; पनामा पर भी जमकर घेरा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर एक-दूसरे पर पलटवार जारी है। ट्रंप ने पहले चीन पर 34 फीसदी का टैरिफ लगाया, उसके बाद चीन ने अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगा दी। इससे भड़के ट्रंप ने चीन पर 50 फीसदी और टैरिफ लगा दिया है। अमेरिका की इस कार्रवाई चीन की तरफ से तीखी प्रतिक्रिया दी गई है। दुनिया की दो महाशक्तियां अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध एक बार फिर तेज हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आने वाले सभी सामानों पर 104ज़् का टैरिफ लगा दिया है, जिसके बाद चीन ने भी तीखा जवाब दिया है। चीन ने इसे धमकी बताया और कहा कि वह 'आखिरी दम तक लड़ने को तैयार है।'डोनाल्ड ट्रंप ने पहले चीन पर 34ज़् अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की थी। जब चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 34ज़् टैक्स लगा दिया, तब ट्रंप ने और 50ज़् टैरिफ जोड़ दिए। पहले से लगे टैक्स मिलाकर अब कुल टैरिफ 104ज़्

हो गया है। इसका मतलब है कि चीन से अमेरिका में आने वाला हर सामान पहले से दोगुने से ज्यादा महंगा हो जाएगा।चीन के प्रधानमंत्री ली क्यांग ने यूरोपीय यूनियन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन से बातचीत में कहा कि चीन की आर्थिक नीतियां पहले से ही ऐसी अनिश्चितताओं को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। उन्होंने कहा- चीन किसी भी बाहरी झटके से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और हमारी अर्थव्यवस्था 2025 में भी मजबूत बनी रहेगी। ली क्यांग ने अमेरिका पर एकतरफा नीतियां अपनाने, आर्थिक दबाव डालने और वैश्विक व्यापार नियमों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि संरक्षणवाद किसी को फायदा नहीं पहुंचाता - खुलापन और सहयोग ही सही रास्ता है।इस नए टैरिफ के बाद वैश्विक बाजारों में गिरावट आई है। अमेरिकी शेयर बाजारों में भी तेजी से गिरावट देखी गई। निवेशकों में मंदी की चिंता बढ़ गई है। कई देशों की सरकारें अब अमेरिका को जवाब देने की तैयारी कर रही हैं।कनाडा ने कहा है कि वह बुधवार से अमेरिकी ऑटोमोबाइल्स पर टैक्स लगाएगा। यूरोपीय यूनियन ने कहा है कि वह अमेरिकी सामान पर 25ज़् टैक्स लगाएगा, जिनमें सोयाबीन, मोटरसाइकिल, जीन्स जैसी चीजें शामिल हैं। वहीं फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने ट्रंप से अपील की कि वे अपने फैसले पर दोबारा विचार करें। अगर अमेरिका पीछे नहीं हटता, तो यूरोप को भी जवाब देना ही होगा।राष्ट्रपति ट्रंप का मानना है कि इन टैरिफ से अमेरिकी कंपनियां चीन छोड़कर अमेरिका में उत्पादन करेंगी, जिससे नौकरियां वापस आएंगी और अमेरिका की मैन्युफैक्चरिंग मजबूत होगी। उन्होंने कहा- इन टैक्स से अमेरिका रोजाना लगभग 2 अरब डॉलर कमा रहा है। हालांकि, कई अर्थशास्त्री और व्यापार विशेषज्ञ ट्रंप की इस सोच से सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि इससे सामान महंगा होगा, महंगाई बढ़ेगी और कंपनियों को नुकसान होगा।

बॉलीवुड/टेली मसाला

अमेरिका में ऋतिक के कार्यक्रम में बदइंतजामी पर भड़के फैंस, एक्टर से की मदद की अपील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अमेरिका में ऋतिक रोशन की दीवानगी इस कदर है कि लोग उनसे मिलने के लिए लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं। लेकिन उन्हें इतने खर्चे के बाद भी अभिनेता से मिलने का मौका नहीं मिल रहा है। जिस पर अब फैंस एक्टर से शिकायत कर रहे हैं।बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन इन दिनों अपने अमेरिका दौरे पर हैं। जहां वो अलग-अलग शहरों में जा रहे हैं और कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं। इस दौरान वो फैंस से भी मुलाकात कर रहे हैं। इसी क्रम में अभिनेता टेक्सास के डलास में पहुंचे, जहां उन्होंने एक फैन मीट एंड ग्रीट कार्यक्रम में हिस्सा लिया। लेकिन वहां मौजूद फैंस का अनुभव अच्छा नहीं रहा और उन्होंने मैनेजमेंट की आलोचना की है। क्योंकि फैंस कई लाख रुपए खर्च करके अभिनेता से मिलने पहुंचे थे, लेकिन उन्हें ऋतिक से मिलने का मौका भी नहीं मिला। जिसके बाद फैंस ने सोशल मीडिया पर इसकी शिकायत की है। अभिनेता के कार्यक्रम की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। जहां भारी संख्या में ऋतिक के फैंस को देखा जा सकता है। इस दौरान ऋतिक ने अपने फैंस का मनोरंजन करने के लिए अपने डांस मूव्स भी दिखाए। लेकिन दूसरी ओर कार्यक्रम की अव्यवस्थाओं और अपने साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर फैंस ऋतिक के इंस्टाग्राम पर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शिकायत कर रहे हैं। इस दौरान एक प्रशंसक जिसने ऋतिक से मिलने के लिए 1.2 लाख रुपये से अधिक खर्च करने का दावा किया है, वह उनके साथ एक तस्वीर लेने के लिए मना किए जाने के बाद अपनी निराशा व्यक्त करने के लिए इंटरनेट पर वायरल हो गया है।इस प्रशंसक ने पोस्ट में लिखा ऋतिक रोशन से मिलने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के लिए 1500 डॉलर (लगभग 1.2 लाख रुपए)₹ सामान्य प्रवेश टिकट खर्च किए और मुझे एक तस्वीर भी नहीं मिली। मीट एंड ग्रीट करने वाली आधी लाइन के साथ तस्वीरें लेने से इनकार कर दिया गया और इतने पैसे खर्च करने के बावजूद हमें वापस भेज दिया गया। क्या हमने मना करने के लिए 2 घंटे लाइन में इंतजार किया?ङ्क इसके अलावा कई फैंस ने ऋतिक के इंस्टाग्राम पर भी अपनी शिकायत की है। ऋतिक की अमेरिका टूर की पुरानी पोस्ट पर फैंस ने कमेंट किए हैं। एक प्रशंसक ने कमेंट में ऋतिक रोशन को मेंशन करते हुए लिखा,अब समय आ गया है कि आप आगे आएं और अपने यूएस-स्थित प्रशंसकों के विश्वास के अनुसार हीरो बनें। आपके रंगोत्सव होली टूर कार्यक्रमों में, युवा लड़कियों को धक्का दिया जा रहा है और मिलने-जुलने के लिए 1500 डॉलर तक का भुगतान करने वाले प्रशंसकों को वापस भेज दिया जा रहा है। ये आपके प्रशंसक हैं - आपके समर्थक हैं, जो अपने दिल में खुशी और अपने आदर्श से मिलने के सपने लेकर आए हैं। हम समझते हैं कि आपका समय कीमती है। लेकिन अभी, आपकी उपस्थिति और स्वीकृति उन लोगों के लिए सब कुछ है जो आपसे प्यार करते हैं और आपका सम्मान करते हैं। सबसे कम उम्र के प्रशंसकों से लेकर आजीवन प्रशंसकों तक, उनके लिए आगे आने का समय आ गया है। हम बे एरिया में आपका इंतजार करेंगे। आइए इसे सही करें।एक अन्य प्रशंसक ने आयोजकों को मेंशन करते हुए लिखा, मिस मैनेजमेंट से बहुत निराश हूं। ऋतिक डलास में थे और बहुत सारा पैसा देने के बाद भी हमें उनसे मिलने का मौका नहीं मिला। ऋतिक आपके बहुत बड़े प्रशंसक हैं और आम लोगों के लिए यह उचित नहीं है कि उन्हें आपसे मिलने का मौका न मिले।ङ्क कई फैंस ने इस 'मीट एंड ग्रीट' कार्यक्रम को स्कैम बताया है। तो वहीं कई फैंस ने अभिनेता से न मिल पाने के लिए निराशा जताई है और समारोह के दौरान बच्चों और महिलाओं को धक्का देने और उनसे बदतमीजी करने के भी आरोप लगाए हैं।

पेद्दी' के लिए उत्साहित फैंस, साउथ की कई फिल्मों के लिए मांगा अपडेट

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एसएसएमबी 29' से लेकर 'पेद्दी' तक कई साउथ की फिल्मों की शूटिंग लगातार जारी है। सोशल मीडिया पर फिल्मों को लेकर कई अपडेट आते रहते हैं। ऐसे में फैंस अपने अभिनेताओं की फिल्मों को लेकर फिल्म निर्माताओं से अपने पसंदीदा स्टार्स की आगामी फिल्मों के बारे में अपडेट की मांग कर रहे हैं। महेश बाबू और राम चरण के अलावा कई साउथ के ऐसे अभिनेता हैं, जिनकी आगामी फिल्मों की शूटिंग लगातार चल रही है। बॉलीवुड की तरह साउथ अभिनेताओं की भी तगड़ी फैन फॉलोइंग हैं और यही वजह है कि फैंस उनकी आगामी फिल्मों के लिए सोशल मीडिया पर फैंस अपेडट मांगते रहते हैं, ताकि वह अपने पसंदीदा अभिनेता की फिल्म से जुड़ी हर जानकारी प्राप्त कर सकें।सुपरस्टार महेश बाबू और मशहूर डायरेक्टर एसएस राजामौली पहली बार एक साथ एक बड़ी एक्शन एडवेंचर फिल्म बना रहे हैं। इस फिल्म का नाम एएँ 29 है। इसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है और दो हिस्सों की शूटिंग पूरी हो गई है। अभी टीम कुछ दिनों के लिए रुकी हुई है क्योंकि महेश बाबू रोम में छुट्टियां मना रहे हैं।हालांकि, दूसरी बड़ी फिल्मों जैसे अल्लू अर्जुन की फिल्म (एटली के साथ) और राम चरण की 'पेद्दी' और पवन कल्याण की 'हरि हर वीरा मल्लू' को लेकर भी फैंस अपडेट की डिमांड कर रहे हैं, लेकिन एएँ 29 के बारे में कोई खास अपडेट नहीं आया है। इस चुप्पी से महेश बाबू के फैंस परेशान हो गए हैं। 123 डॉट कॉम की एक खबर के अनुसार, सोशल मीडिया पर फैंस अपने पसंदीदा अभिनेताओं की आगामी फिल्मों के बारे में मेकर्स से अपडेट की मांग रहे हैं, जैसे रिलीज डेट, कास्ट की घोषणा या एक छोटा सा पोस्टर, ताकि फिल्म की चर्चा बनी रहे। सोशल मीडिया पर फैन पेज पर मीम्स और हैशटैग ट्रेंड कर रहे हैं, जहां फैंस अपनी नाराजगी दिखा रहे हैं। 'एएँ29' में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म में अहम रोल निभा सकते हैं। फिल्म को केएल नारायण बड़े स्तर पर बना रहे हैं और संगीत एमएम कीरवानी दे रहे हैं। फैंस हर दिन बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि मेकर्स इस शानदार फिल्म की कोई झलक सोशल मीडिया पर दिखाएं।

थ्रिलर और एक्शन फिल्मों के हैं शौकीन, तो आज ही देख डालिए अजित कुमार की ये हिंदी डब फिल्में

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अजित कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'गुड बैड अग्ली' रिलीज होने वाली है। आइए जानते हैं अभिनेता की धाकड़ फिल्मों के बार में, जिनमें है भरपूर एक्शन और शानदार कहानी।10 अप्रैल, यानी गुरुवार को अजित कुमार की फिल्म 'गुड बैड अग्ली' सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, जो हिंदी में भी डब की जा रही है। इस फिल्म में अजित के शानदार लुक और कहानी की झलक ने दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करने का काम किया है। आज जानेंगे अभिनेता की उन दमदार फिल्मों के बारे में, जिनकी कहानियां आपको पसंद आ सकती है। शिवा के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 2017 में रिलीज हुई थी। यह एक जासूसी थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अजित कुमार, विवेक ओबरॉय, काजल अग्रवाल और अक्षरा हासन ने मुख्य भूमिका निभाई है। फिल्म में दो दोस्तों की कहानी दिखाई गई है, जो एक समय बाद एक-दूसरे के सबसे बड़े दुश्मन बन जाते हैं। यह फिल्म हिंदी डब में भी मौजूद है।2015 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन शिवा ने किया है। अजित कुमार अभिनीत इस फिल्म में उनके अलावा लक्ष्मी मेनन, श्रुति हासन, अनिकेत चौहान, कबीर सिंह, जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में नजर आए हैं। फिल्म की कहानी में अजित एक बहुत ही ईमानदार आदमी हैं, जो अपनी बहन की पढ़ाई के लिए कोलकाता जाते हैं। वहां वह अपनी अच्छाई के कारण मुसीबत में फंस जाते हैं। इसका भी हिंदी वर्जन मौजूद है।अजित कुमार की यह फिल्म साल 2014 में रिलीज हुई थी, जो एक रोमांटिक एक्शन कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म की कहानी भी जबरदस्त है। फिल्म का तमिल वर्जन 'वीरम' है, जिसे हिंदी में 'वीरम द पावरमैन' नाम से डब किया गया है। इसमे अजित के अलावा तमन्ना भाटिया, विदार्थ बाला, जैसे कलाकारों ने मुख्य भूमिका निभाई है।साल 2019 में 'नरकोंडा परवाई' नाम से अजित की एक तमिल फिल्म आई, जिसमें अभिनेता ने वकील का किरदार निभाया है। इस फिल्म में अभिनेता तीन महिलाओं का केस लड़ते हैं। यह फिल्म हिंदी में महारक्षक नाम से यूट्यूब पर मौजूद है। बताया जाता है कि अजित की यह फिल्म बॉलीवुड फिल्म की रीमेक है।विष्णुवर्धन के निर्देशन में बनी अजित कुमार की इस फिल्म को साल 2012 में रिलीज किया गया था। यह फिल्म एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अभिनेता अंडरवर्ल्ड से भिड़ते हैं। इस फिल्म में अजित के अलावा पार्वती ओमनाकुट्टन, विद्युत जामवाल जैसे दिग्गज कलाकारों ने भूमिका निभाई है। यह फिल्म साल 1990 में आई फिल्म 'बिल्ला' का प्रीक्वल है।

कभी सिंगर तो कभी एक्टर बनने की कोशिश की, डायरेक्टर बने तो हिंदी सिनेमा को पहला सुपरस्टार दिया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। शक्ति सामंत का नाम बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों में शामिल होता है। उन्होंने बॉलीवुड को फिल्मों के वर्जन बनाने का ट्रेंड दिया। आज उनकी पुण्यतिथि पर आइए जानते हैं उनसे जुड़ी कुछ अहम बातें।शक्ति सामंत बॉलीवुड के बड़े निर्देशकों में गिने जाते हैं। एक अध्यापक से लेकर निर्देशक बनने तक का उनका सफर संघर्ष भरा रहा है। उन्होंने बॉलीवुड को एक नया ट्रेंड दिया। अपनी मेहनत की बदौलत वह बॉलीवुड के उस स्थान पर पहुंचे जहां पहुंचने का निर्देशकों का सपना होता है। उन्होंने हिंदी सिनेमा के दिग्गज शमी कपूर, शर्मिला टैगोर और राजेश खन्ना जैसे कलाकारों के साथ काम किया। आज उनकी पुण्यतिथि पर आइए जानते हैं उनके बारे में खास बातें।बॉलीवुड के बेहतरीन निर्देशक शक्ति सामंत ने भारतीय सिनेमा को 'आवाज', 'अनुराग' और 'अमर प्रेम' जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। उनकी मेहनत की वजह से ही उन्हें 'आराधना' और 'अमानुष' जैसी फिल्मों के लिए फिल्मफेयर अवॉर्ड से नवाजा गया। शक्ति सामंत ब्रिटिश इंडिया के बंगाल प्रेसीडेंसी में 13 जनवरी 1926 को पैदा हुए। तालीम हासिल करने के लिए वह अपने चाचा के साथ उत्तराखंड चले आए। उनकी शुरूआती पढ़ाई देहरादून में हुई। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए दोबारा पश्चिम बंगाल चले आए। 1944 में उन्होंने कलकत्ता यूनिवर्सिटी से स्नातक की उपाधि हासिल की। शिक्षा हासिल करने के बाद शक्ति सामंत ने बॉलीवुड का एक्टर बनने का सपना देखा। इसलिए वह बॉम्बे के करीब के इलाके दापोली पहुंचे। यहां उन्होंने एक शिक्षक की नौकरी कर ली। यह जगह मुंबई से 200 किलोमीटर दूर थी। हालांकि इससे पहले वह एक गायक बनना चाहते थे। 1947 में वह शक्ति बर्मन के पास ऑडिशन के लिए भी गए। बर्मन ने उन्हें एक कोरस गाने में गाने का ऑफर दिया।शक्ति सामंत का गायकी की तरफ मन नहीं लगा। इसलिए उन्होंने निर्देशन की तरफ रुख किया। उन्होंने 1948 में सतीश निगम के साथ सहायक निर्देशक के तौर पर काम करना शुरू किया। उन्होंने राज कपूर की फिल्म 'सुनहरे दिन' में सहायक निर्देशक की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने निर्देशक ज्ञान मुखर्जी और फानी मजूमदार के साथ काम किया। इस दौरान उन्होंने 'तमाशा' और 'धोबी डॉक्टर' जैसी फिल्मों में काम किया।बतौर निर्देशक शक्ति सामंत ने 1954 में 'बहू' फिल्म का निर्देशन किया। इसके बाद इन्होंने बॉलीवुड को 'इंस्पेक्टर', 'डिटेक्टिव' और 'हिल स्टेशन' जैसी फिल्में दीं। 1957 आते आते वह इतना कामयाब हो गए कि उन्हेंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'शक्ति फिल्म्स' की शुरूआत कर दी। इस बैनर तले उन्होंने सबसे पहली फिल्म 'हावड़ा ब्रिज' बनाई। यह फिल्म हिट रही। यह उनके करियर का टर्निंग पॉइंट था। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। शक्ति सामंत ने अपने करियर में 43 फीचर फिल्मों का निर्देशन किया। इनमें से 37 फिल्में हिंदी और छह बंगाली थीं। वह सबसे ज्यादा 'कश्मीर की कली', 'हावड़ा' और 'सावन की घटा' के लिए जाने जाते हैं। शक्ति सामंत को इस बात के लिए भी याद किया जाता है कि वह फिल्मों के दो वर्जन बनाते थे। उनकी कई हिंदी फिल्में बंगाली भाषा में भी होती थीं।

प्रियंका ने पति निक जोनस को बताया शानदार कलाकार, बेटी मालती ने पापा पर इस तरह लुटाया प्यार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा ने अपने पति निक जोनस के अभिनय की तरीफ करते हुए उन पर प्यार लुटाया है। जानिए प्रियंका ने किस बात के लिए की निक की तारीफ और क्या कुछ कहा। अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ऐसे कपल हैं, जो एक-दूसरे पर प्यार लुटाने और एक-दूसरे की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते। अब एक बार फिर प्रियंका ने अपने पति निक जोनस की तारीफ की है और उन्हें एक शानदार कलाकार बताया है। प्रियंका निक जोनस के साथ न्यूयॉर्क में 'द लास्ट फाइव इयर्स' के ब्रॉडवे डेब्यू में शामिल हुईं। इस समारोह की कई तस्वीरें अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर साझा की हैं। साथ ही शो के लिए पति निक की तारीफ भी की है।प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम पर समारोह से जुड़ी कई तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका पति निक जोनस और शो की मुख्य अभिनेत्री एड्रिएन वॉरेन के साथ पोज दे रही हैं। इस दौरान प्रियंका ने पति निक पर प्यार भी लुटाया और उन्हें किस करते हुए भी एक फोटो साझा की है। इस पोस्ट को साझा करते हुए प्रियंका ने कैप्शन में लिखा, ङ्कब्रॉडवे पर 'द लास्ट फाइव ईयर्स' की ओपनिंग नाइट। वाकई शानदार कलाकारी। बधाई हो निक जोनस और शो की पूरी टीम व क्रू को।अपनी इस पोस्ट में प्रियंका ने बेटी मालती की एक प्यारी सी तस्वीर भी साझा की, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस तस्वीर में मालती एक पोस्टर बना रही हैं। जो उन्होंने अपने पिता निक जोनस को बधाई देने के लिए बनाया है। प्रियंका ने निक के लिए कार्ड बनाती मालती की ये तस्वीर भी शेयर की। दिल को छू लेने वाली यह तस्वीर कपल की शाम की तस्वीरों में शामिल हो गई और लोगों का दिल जीत रही है। प्रियंका की इस पोस्ट पर निक जोनस ने भी प्रतिक्रिया दी है। निक ने कमेंट सेक्शन में दिल वाला इमोजी बनाकर इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है।वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियंका चोपड़ा इन दिनों एसएस राजामौली की आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं। पिछले दिनों उन्होंने जयपुर और ओडिशा में शूटिंग पूरी की है। इस फिल्म में प्रियंका के साथ अभिनेता महेश बाबू प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

स्टीवन स्पीलबर्ग के सलाहकार रहे मार्विन लेवी का निधन, 96 की आयु में ऑस्कर विजेता ने ली अंतिम सांस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। स्टीवन स्पीलबर्ग के लंबे समय तक प्रचारक और सलाहकार रहे ऑस्कर विजेता मार्विन लेवी का 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।मार्विन लेवी का निधन हो गया है। मार्विन ने निर्देशक स्पीलबर्ग की ङ्कईटी द एक्स्ट्रा-टेरेस्ट्रियलङ्क, ङ्कजुरासिक पार्कङ्क, ङ्कशिंडलर्स लिस्टङ्क, ङ्कलिंकनङ्क जैसी फिल्मों के साथ सफलता दिलाने में मदद की। यह सभी फिल्में इंडस्ट्री में सबसे सम्मानित मार्केटिंग पेशेवरों में से एक रहीं। मार्विन लेवी ऑस्कर विजेता प्राप्त करने वाले एकमात्र पीआर प्रतिनिधि थे।डेडलाइन की एक खबर के अनुसार, मार्विन लेवी का 96 की उम्र में निधन हो गया है। मार्विन ने तकरीबन पांच सालों तक हॉलिवुड निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग के प्रचारक और सलाहकार का पद संभाला। वह स्पीलबर्ग की फिल्म निर्माण कंपनी एंबलिन एंटरटेनमेंट के प्रचारक थे।

आउटलेट के अनुसार, मार्विन का निधन सोमवार, 7 अप्रैल को हुआ। हाल ही में स्पीलबर्ग ने अपने प्रचारक और सलाहकार रहे मार्विन के निधन पर शोक जताया और साथ ही उनकी मीडिया हैंडलिंग की प्रशंसा की। डेडलाइन की एक खबर के अनुसार, स्पीलवर्ग ने कहा, 'मार्विन का जाना मेरे और इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ा नुकरसान है। वैसे तो यहां पर कई मीडिया अधिकारी हैं, लेकिन मार्विन जैसा कोई नहीं। मार्विन ने 50 से ज्यादा सालों तक सहयोग किया। वह मीडिया को बखूबी संभालना जानते थे, उनके जैसा कोई नहीं है।'डेडलाइन की एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्विन का अंतिम संस्कार 11 अप्रैल शुक्रवार की सुबह 10 बजे माउंट सिनाई में किया जाएगा। मार्विन के परिवार में 73 साल की उनकी पत्नी कैरोल, उनके दो बेटे-डॉन और डग। उनके दो पोते ब्रायन और डैनियल हैं। मार्विन को अपने बेहतरीन काम के लिए 1994 में पब्लिसिस्ट गिल्ड का सर्वोच्च सम्मान, लेस मेसन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने से निराश हैं सोहा अली खान, कहा- मेरे पिता का भारतीय क्रिकेट मेंष्ठ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बीसीसीआई और ईसीबी ने कथित तौर पर पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने के फैसले पर सोहा अली खान ने निराशा जताई है। इससे पहले अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने भी इस फैसले पर अपने विचार रखे थे।बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान के पिता मंसूर अली खान पटौदी अपने दौर के मशहूर क्रिकेटरों में से एक थे। हाल ही उनकी पत्नी अभिनेत्री शर्मिला टैगोर ने निराशा जताई, क्योंकि बीसीसीआई और ईसीबी ने कथित तौर पर पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने का फैसला किया है। यह भारत और इंग्लैंड के बीच एक टेस्ट सीरीज है। अब इस मामले पर उनकी बेटी सोहा अली खान ने भी अपनी निराशा जताई और कहा कि उनके पिता का शुरुआती दिनों में एक अंतरराष्ट्रीय भारतीय क्रिकेट टीम बनाने में महत्वपूर्ण योगदान था सोहा अली खान ने ज़ूम से बात करते हुए कहा, ठहमारे लिए यह निराशाजनक है कि वो पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने पर विचार कर रहे हैं या उन्होंने ऐसा करने का फैसला किया है। मुझे लगता है कि मेरे पिता का भारतीय क्रिकेट में बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने भारतीयों में एकता और गर्व की भावना पैदा की। उन्होंने पहला विदेशी टेस्ट जीता और इस तरह की चीजें कीं। मुझे लगता है कि उन्हें किसी ना किसी रूप में, किसी ना किसी तरह से याद किया जाना चाहिए और उम्मीद है कि बीसीसीआई ऐसा करने के किसी और तरीके पर विचार करेगा इससे पहले शर्मिला टैगोर ने कहा था कि वह पटौदी ट्रॉफी को रिटायर करने के बीसीसीआई के फैसले से आहत हैं। उन्होंने एक बातचीत में कहा, ठमैंने उनसे नहीं सुना है, लेकिन ईसीबी ने सैफ को एक पत्र भेजा है कि वे ट्रॉफी को रिटायर कर रहे हैं। अगर बीसीसीआई टाइगर की विरासत को याद रखना चाहता है या नहीं, तो यह उन्हें तय करना है।ठ पटौदी ट्रॉफी का नाम इफ्तिखार अली खान पटौदी के नाम पर रखा गया है। यह सीरीज भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जाती है, क्योंकि उन्होंने तीन मौकों पर दोनों टीमों का प्रतिनिधित्व किया था। बाद में उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और भारतीय टीम के कप्तान भी रहे। सोहा अली खान को आखिरी बार वेब सीरीज 'हश हश' में देखा गया। उनके आगामी कार्यों की बात करें तो वह 'छोरी 2' में नजर आने वाली हैं।

स्वात्वाधिसकसार एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।

सस्पादक/प्रकाशक डा0 पुनीत अरोरा

मो0न0-09415608710

RNI No. UPHIN/2015/63398

website:www.adhuniksamachar.com

नोट- इस समाचार पत्र मे प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हंतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।